राजनाथ सिंह ने प्रज्वलित की.. 03

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सीक्वल नहीं किरदार.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 186 | गाजियाबाद / गुरूवार 08 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

जेल से ही बीमार दादी को वीडियो कॉल करेगा अमृतपाल

अमृतसर की कोर्ट ने दी 10 मिनट बात करने की इजाजत

अमृतसर (एजेंसी)। जिला अदालत ने खडूर साहिब के सांसद और वारिस पंजाब दे के नेता अमृतपाल सिंह को अपनी बीमार दादी से 10 मिनट की वीडियो कॉल पर बात करने की इजाजत दी है। वर्तमान में

अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। अमृतसर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बरिंदर सिंह ने अमृतपाल के वकीलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अमृतपाल सिंह की ओर से पेश उनके वकीलों ने अदालत में याचिका दायर की थी और उनकी दादी की बीमारी को देखते हुए अदालत से वीडियो कॉल के जरिए उनसे बातचीत करने की अनुमति मांगी थी। अमृतपाल के वकीलों ने कोर्ट में एक अर्जी दाखिल करके उसकी बीमार दादी से बात करने की इजाजत मांगी थी। अर्जी में परिवार के हालात का जिक्र करते हुए कहा गया कि जेल में होने की वजह से अमृतपाल अपनी दादी से मिल नहीं पा रहा है। वकीलों ने कोर्ट से कहा था कि अमृतपाल को कम से कम वीडियो कॉल के जरिए उनसे बात करने की इजाजत दी जानी चाहिए। अमृतपाल सिंह की दादी बुजुर्ग हैं और हाल ही में गंभीर बीमारी के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कैप्टन मच्छार के साहस पर फिदा संघ चीफ भागवत

18 दिन में दूसरी बार अहंकार पर बोले, कहा-घमंड त्यागें

बालाघाट (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर समाज को आईना दिखाते हुए अहंकार त्यागने और वंचितों के कल्याण पर जोर दिया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट के आदिवासी अंचल में दिए गए उनके इस संदेश के गहरे मायने हैं। खास बात यह है कि पिछले 18 दिनों के भीतर संघ प्रमुख का अहंकार पर यह दूसरा बड़ा बयान है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों

में इसकी खासी चर्चा हो रही है। उन्होंने फ्लाईदुबई फ्लाइट के कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की सराहना भी की। संघ प्रमुख ने मंगलवार को बालाघाट के दौरे के दौरान समाज सेवा और जमीनी हकीकत से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज सेवा करने वाले लोगों को सबसे पहले अपने भीतर का अहंकार छोड़ना होगा। लंबे समय से गरीबी और अभावों का सामना कर रहे वंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम बनाया जाना चाहिए। इससे पहले 18 सितंबर को उज्जैन की युवा धर्म संसद में भी मोहन भागवत ने इसी विषय पर तीखी बात रखी थी।

आईआईटी बॉम्बे का निर्णय-पहले छात्र का पक्ष सुनेंगे

नकल करते पकड़े जाने पर अब सीधे कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों पर पढ़ाई का दबाव और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे कई नियम बदलने की तैयारी में है। इसी के तहत संस्थान ने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया है। बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आत्महत्या के बाद तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने और मार्गदर्शन लेने का मौका देने पर जोर दिया गया है। मसौदे पर इस सप्ताह होने वाली बैठक में फैसला होगा। नई एसओपी में नकल करते पकड़े जाने पर कार्रवाई से पहले छात्र को आईआईटी से बात करने का मौका देने का प्रावधान हो सकता है। परीक्षा में अनुचित साधनों के मामलों में की समीक्षा की गई है।

क्या बदलाव संभव इससे क्या फायदा

तुरंत मेंटर सपोर्ट मिलेगा– अगर किसी छात्र को परीक्षा में गड़बड़ी या चीटिंग करते हुए पकड़ा जाता है, तो कार्रवाई से पहले उसे किसी मेंटर से बात करने का मौका दिया जाएगा। इन्विजिलेटर के लिए अलग से और स्पष्ट एसओपी होगा– इन्विजिलेटर को यह स्पष्ट निर्देश दिया जाएगा कि परीक्षा हॉल में संदिग्ध मामले के दौरान क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। हॉल में घटना के वक्त क्या दर्ज किया जाना जरूरी है।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर होगा पश्चिम बंग!

- शमिक भट्टाचार्य बोले-बिल लेकर आ रही सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि राज्य का नाम बदलकर पश्चिम बंग किया जाएगा और इसके लिए विधानसभा के पहले सत्र में एक बिल पेश किया जाएगा। नाम बदलने के बारे में दोबारा पूछे जाने पर न्यूज एजेंसी ने उनके हवाले से कहा, भाई, मुझे कितनी बार कहना होगा। नाम पश्चिम बंग ही होगा। उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में ही संकेत दिया था कि नाम बदलने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने वाली है। उन्होंने कहा था कि पश्चिम बंग बांग्ला और बंगा जैसे नामों का इस्तेमाल अब नहीं किया जाएगा। भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा था, हां, बिल्कुल। पश्चिम बंग भवन...पश्चिम बंगाल का पश्चिम... अब आपको लंबे समय तक पश्चिम बंग, बांग्ला या बंगा जैसे नाम सुनने को नहीं मिलेंगे। पश्चिम बंग नाम आ रहा है। इस बिल का मकसद राज्य के आधिकारिक नाम को पहचान से जोड़ना है।

नाम बदलने का राजनीतिक इतिहास

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने के प्रस्ताव का एक लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है। यह पहल 1999 में शुरू हुई थी, जब लेफ्ट फ्रंट सरकार ने राज्य का नया नाम पश्चिम बंग रखने का प्रस्ताव दिया था। बाद में तत्कालीन कांग्रेस विधायक सौगत रॉय के सुझाव पर इस प्रस्ताव को बदलकर बांग्ला कर दिया गया, लेकिन केंद्र ने इसे खारिज कर दिया। 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद राज्य ने फिर से पश्चिम बंग नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे यूपीए-2 सरकार ने ठुकरा दिया। 2016 में राज्य ने तीन नाम सुझाए बंगाली में बांग्ला और हिंदी में बंगाल और तीनों भाषाओं में बांग्ला नाम का प्रस्ताव रखा।

'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं

- पीएम मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट
- कहा-भारत के विकसित होने तक न थकूंगा,न रुकूंगा
- बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, बड़ा रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली/वडनगर (एजेंसी)। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे। पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

'25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी'

मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आंकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।

2014 में देश निराशा में डूबा था, कई चुनौतियां थी

पीएम मोदी ने कहा, जब गुजरात पहुंचा तो प्रशासनिक व्यवस्था का ज्यादा ज्ञान नहीं था, तब सिर्फ जनशक्ति का भरोसा था। इसी विश्वास को मैंने अपना सामर्थ्य बनाया। मैंने जनता को साथ लेकर निर्णय लिए, नीतियां बनाई और इन्हें लागू किया। यही मंत्र- वी विल डू इट...जब जनता साथ हो तो परिणाम ही आते हैं। गुजरात ने करके दिखाया। पीएम मोदी ने कहा, तब विकराल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। देश का हर नागरिक नया रास्ता खोज रहा था। भारत की इकोनॉमी को लेकर दुनिया कहने लगी थी- इट्स अ गॉन केस। तब कोई ज्योत दिखती नहीं थी। निराशा में डूबे देश को आशा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, मैंने वही काम किया, जो मुझे आता था। मैंने लोगों के साथ मिलकर काम किया और उनके साथ मिलकर फिर दोहराया-वी विल डू इट। अब तस्वीर बदल गई है।

- **मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है-** पीएम ने कहा, हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें। उन्होंने कहा, अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय आगे बढ़ने का है।
- **25 साल में देश कहां पहुंचा, ये अहम-** पीएम मोदी ने कहा,हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकता है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। वो भारत, जिसने अंधकार के युग में भी मानवता को ज्ञान दिया, मूल्यों का प्रकाश दिया, उसकी सेवा का मौका अमूल्य है।

सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों ने ली पद की शपथ

- सुनीता अग्रवाल बनीं 13वीं महिला जस्टिस, 37 हुई न्यायाधीशों संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को तीन नए जजों ने शपथ ली। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों की कार्यरत संख्या 37 हो गई, बता दें कि एससी में स्वीकृत क्षमता 38 जजों की है। यानी अब सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ एक पद खाली है। जस्टिस सुनीता अग्रवाल, जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने सीजेआई सूर्यकांत के सामने पद की शपथ ली। तीनों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इन तीन नियुक्तियों की खास बात यह भी है कि तीनों जज सुप्रीम कोर्ट आने से पहले अलग-अलग हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे।

पहली बार दोपहर में हुआ शपथ समारोह

इस बार शपथ समारोह भी खास रहा। सुप्रीम कोर्ट में आम तौर पर नए जजों को सुबह करीब 10.30 बजे शपथ दिलाई जाती है। मंगलवार को तीनों जजों का शपथ समारोह दोपहर 3.30 बजे रखा गया। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, 1950 में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के बाद यह पहली बार था जब नए जजों का शपथ समारोह दोपहर में हुआ।

मानसून सत्र स्थगित होने के बाद भी नहीं हुआ खत्म

संसद 54 दिन से बिना बैठक के,37 साल का रिकॉर्ड टूटा,विशेष सत्र की अटकलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की बैठकें खत्म हुए करीब दो माह होने वाले हैं, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ। इसके बाद विशेष सत्र की अटकलें हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। मंगलवार तक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस तरह दोनों सदन 54 दिन से बिना सत्रावसान के हैं। दोनों सदनों के एक साथ बिना सत्रावसान रहने की सबसे लंबी अवधि है। इससे पहले 1989 में दोनों सदन 53 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे। तब 18 अगस्त को दोनों सदन स्थगित हुए और सत्रावसान किए बिना 11 अक्टूबर को बैठक दोबारा शुरू हुई थी।

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला

- ब्लैक सी में 2 हमले,यूक्रेनी ड्रोन तेल टैंकर से टकराया

मास्को (एजेंसी)। रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का क्रू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है। माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरी बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।

जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था

लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम एफ्रामैक्स रियो है। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, यह यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में शामिल था। इसे रूस के कथित शैडो फ्लीट का हिस्सा बताया गया था। रूस का शैडो फ्लीट उन टैंकरों और जहाजों का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है। यूक्रेन ने फरवरी में जहाज पर प्रतिबंध लगाए थे। उसका कहना था कि इस नेटवर्क के जहाज रूस को जरूरी ऊर्जा आय बनाए रखने में मदद करते हैं। इसी आय से रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को फंड करता है।

महंगाई बढ़ी, अब कर्ज लेना और चुकाना भी महंगा

- आरबीआई की चेतावनी-आगे कीमतें और भी बढ़ेंगी
- इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई की हैं। इसके चलते आरबीआई को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25 से बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेता है। फॉर्मूला ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंको को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी कम करेंगे। खर्च होगा मांग कम होगी,मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। हालांकि, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7 से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 अक्टूबर को नए फैसलों की जानकारी दी। आरबीआई ने अपना रुख भी बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि फिलहाल ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम हो गई है।

फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद

आरबीआई ने अपना रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा का कहना है कि 0.25 फीसदी की यह बढ़ोतरी तो उम्मीद के मुताबिक ही थी, लेकिन असली बात नीति में हुआ बदलाव है। इससे साफ जाहिर होता है कि रिजर्व बैंक के लिए अब सबसे पहला काम महंगाई पर काबू पाना है। कोटक महिंद्रा बैंक की चीफ इकोनॉमिस्ट उपासना भारद्वाज का मानना है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में 0.25 से 0.50 फीसदी की और बढ़ोतरी हो सकती है।

2026 का केमिस्ट्री नोबेल फ्रांस-जापान के वैज्ञानिकों को

अणुओं के मिरर इमेज की 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई,दवाएं बनाने में मदद मिली

स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केन्सो सोआई को दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। हेनरी बी. कागन और केन्सो सोआई ने यह समझाने में बड़ी मदद की कि मिरर इमेज जैसे दिखने वाले दो अणुओं में से सिर्फ एक को कैसे बनाया जा सकता है। यह खोज खास तौर पर दवाएं बनाने में काम आ रही है। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है।

सोआई ने ऐसा अणु बनाया जो अपने जैसे अणु बनाता था

इसके बाद केन्सो सोआई ने कागन के काम को आगे बढ़ाया। उन्होंने 5-पाइरिमिडिल एल्केनॉल नाम के एक रासायनिक पदार्थ पर प्रयोग किया। उन्होंने ऐसी प्रक्रिया बनाई, जिसमें एक तरह का अणु बनने के बाद वह अपने जैसे दूसरे अणु बनने में मदद करता था। इसे ऐसे समझिए- शुरुआत में अगर किसी एक तरह के अणु थोड़े ज्यादा बन गए, तो वही अणु आगे और अपने जैसे अणु बनाने में मदद करने लगे। फिर नए बने अणु भी यही काम करने लगे। इस तरह एक तरह के अणुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। 1995 के प्रयोग में शुरुआत में एक तरह के अणु की मात्रा सिर्फ 2 फीसदी ज्यादा थी। लेकिन प्रक्रिया चलने के बाद यह बढ़त 87 फीसदी तक पहुंच गई। यानी शुरुआत का छोटा-सा फर्क बहुत बड़ा हो गया। इसके बाद 2003 में सोआई ने इस पर काम किया।

संवैधानिक पाप करने वालों को चुनाव चिन्ह क्यों : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना के चुनाव चिन्ह विवाद पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि दल-बदल को संविधान के तहत 'संवैधानिक पाप' माना जाता है, तो ऐसे मामलों में शामिल लोगों को चुनाव चिन्ह का लाभ क्यों दिया जाए? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि मामला केवल धनुष-बाण चुनाव चिन्ह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि चुनाव चिन्ह आवंटित करते समय विधायकों की संख्या को कितना महत्व दिया जाना चाहिए। खासकर तब, जब उन्हीं विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी कार्यवाही लंबित हो। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि संगठनात्मक समर्थन को बहुमत का सुरक्षित आधार कैसे माना जा सकता है। मामला शिवसेना में विभाजन के बाद चुनाव चिन्ह आवंटन से जुड़ा है। सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के सवालों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया और उसके संवैधानिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा कर रहा है।

मुंबई पुलिस ने की 2.53 करोड़ की नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम टेबलेट जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वर्ली यूनिट ने नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 2.53 करोड़ रुपए की नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम टेबलेट जब्त की हैं। यह मामला 6 अक्टूबर की रात का है और उसी दिन मामला दर्ज किया गया। मुंबई में अवैध नशे की खरीद, बिक्री और सप्लाई में शामिल लोगों की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स गोवंडी, मुंबई इलाके में नशे वाली गोलियां बेच रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी में निटकोर-10 ब्रांड की 4,500 नाइट्राजेपम गोलियां बरामद की गईं, जिसकी कीमत 1.98 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने प्रोकाल्म-1 ब्रांड की 5,300 अल्प्राजोलम गोलियां भी जब्त कीं, जिसका वजन करीब 689 ग्राम है और कीमत 55.92 लाख रुपए है। इस तरह कुल 9,800 नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम गोलियां जब्त की गईं, जिसकी कुल कीमत करीब 2.53 करोड़ रुपए है। यह ऑपरेशन मुंबई पुलिस कमिश्नर की देखरेख में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि ये दवाएं कहां से लाई गई और इनका नेटवर्क कितना बड़ा है। बता दें नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम दोनों बेंजोडायजेपाइन वर्ग की दवाएं हैं जो मस्तिष्क को शांत करने का काम करती हैं।

असम राइफल्स के जवान की गोली लगने से मौत, सीएम माझी ने जताया शोक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के रायगड़ा जिले के रहने वाले असम राइफल्स के जवान वी तेजा की नगालैंड में गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान की मौत उनके 31वें जन्मदिन से महज दो दिन पहले हुई। उन्होंने बताया कि 15वीं असम राइफल्स के राइफलमैन तेजा को सोमवार को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि तेजा की शादी 10 दिसंबर को होनी थी। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने तेजा के निधन पर शोक जताया है। सीएम ने पोस्ट में कहा कि नगालैंड में ड्यूटी पर तैनात 15वीं असम राइफल्स के बहादुर सैनिक राइफलमैन वी. तेजा के असामयिक निधन की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मातृभूमि की सेवा में उनका सर्वोच्च बलिदान और समर्पण हमेशा हमारी स्मृतियों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नवी पटनायक ने एक्स पर कहा कि असम राइफल्स के उड़िया सैनिक वी तेजा ने जो बहादुरी दिखाई, वह अतुलनीय है। उन्होंने नगालैंड में देश की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियानों के दौरान शहीद होकर अद्वितीय बलिदान दिया।

आपत्तिजनक टिप्पणी विवाद में हनी सिंह को साइबर पुलिस का समन, सिंगर ने मांगा और वक्त

मुंबई (एजेंसी)। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने उन्हें एक कार्यक्रम के दौरान की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, सोमवार को हनी सिंह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस से कुछ और समय मांगा है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस की ओर से हनी सिंह को समन भेजकर निर्धारित समय पर जांच अधिकारियों के सामने उपस्थित होने को कहा गया था। यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कार्यक्रम में सिंगर द्वारा कही गई कुछ बातें आपत्तिजनक थीं। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू हुई और इसी मामले में हनी सिंह से पूछताछ होनी थी। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस जांच में जुटी है और अब सिंगर के पेश न होने के बाद आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में घिरे हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है, खासकर उनके गानों और लाइव परफॉर्मेंस को लेकर अक्सर विवाद होता है। इसके पहले भी मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक संगठन की याचिका पर उनसे हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

'जेन जी' 'जेन अल्फा' के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे राहुल गांधी

-सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली , एजेंसी।
पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पूरी तरह मजबूत किया जा सकता है और राहुल गांधी देश की 'जेन जी' और ' जेन अल्फा' पीढ़ी के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि देश के सामाजिक संगठनों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों समेत विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी किसी तरह की राजनीति नहीं करेंगे। विपक्षी दलों का 'इंडिया' गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के साथ गरीब, कमजोर, मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और सामान्य वर्ग के मतदान अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पिछले तीन सालों से 'वोट चोरी' के मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक दिन का मुद्दा नहीं है, बल्कि पिछले तीन-चार सालों से अलग-अलग मंचों पर इसे उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सहित कई राज्यों में अलग-अलग तरीकों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया गया और लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया। यादव ने कहा कि जब पूरा देश इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार है, तो सरकार सच्चाई सामने लाने से क्यों बच रही है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार सच बोलने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को गवाह बनकर यह बताना चाहिए कि उनके पीछे कौन-कौन लोग हैं।
पप्पू यादव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए सवाल किया कि संबंधित लोगों को एक मिनट भी पद पर बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति को यह कहकर जवाबदेही से बचने का अधिकार है कि उसे जानकारी नहीं थी या उसने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीसीएस से जुड़े मामलों में भी कई सवाल उठे हैं और इन मामलों की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

विरोध के चलते सीईसी ज्ञानेश कुमार का छत्तीसगढ़ दौरा स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का 7 और 8 अक्टूबर को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरा स्थगित कर दिया गया है। चुनाव आयोग की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि अहम कारणों के चलते दौरा टाल दिया गया है। हालांकि, आयोग ने नई तारीख को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। इससे पहले ज्ञानेश कुमार का उत्तर प्रदेश दौरा भी स्थगित किया जा चुका है। ज्ञानेश कुमार का छत्तीसगढ़ दौरा ऐसे समय में स्थगित हुआ है, जब उनके खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन तेज है। मंगलवार को 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मार्च निकाला और चुनाव आयोग के कार्यालय तक पहुंचने की कोशिश की। विपक्षी दल मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहे हैं। मार्च के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसद आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस और कुछ सहयोगी दलों के नेताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शाम करीब आठ बजे हिरासत में लिए गए नेताओं को बस से वहां से ले जाया। बाद में राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं को रिहा कर दिया गया। विपक्षी दलों का कहना है कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण रद्द किया जाना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाया जाना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूचियों में बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।

इजरायल में छाया भारतीय संस्कृति का रंग, द्वारका के नरेंद्र कुमार के दल ने बिखेरा जलवा

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत द्वारका निवासी नरेंद्र कुमार उर्फ बॉबी के नेतृत्व में सांस्कृतिक दल ताका दिमी ता ने इजरायल के विभिन्न शहरों में भारतीय संस्कृति और लोककला की शानदार प्रस्तुतियां देकर देश का नाम रोशन किया। नरेंद्र कुमार ताका दिमी ता कार्यक्रम कंपनी के निदेशक हैं। वे प्रसिद्ध छाऊ नृत्य में निपुण होने के साथ अभिनय के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं और कई अपराध आधारित धारावाहिकों, वेब श्रृंखलाओं तथा विज्ञापन फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने मंडी हाउस में छाऊ नृत्य के गुरुजनों से प्रशिक्षण लेकर इस कला में दक्षता हासिल की है। सांस्कृतिक दल ने तेल अवीव के अलावा यरूशलम, पश्चिमी गलीली, एकर, कर्मिएल-रेग्बा, अशदोद और अश्कलोन सहित कई प्रमुख शहरों में प्रस्तुतियां दीं। तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद दल के कलाकारों ने ऊर्जा और उत्साह से भरी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रमों में मौजूद लोगों ने भारतीय कलाकारों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की और कई स्थानों पर दर्शक कलाकारों के साथ झूमते नजर आए। यात्रा के दौरान नरेंद्र कुमार की चर्चा उस विमान को लेकर भी हुई, जिसमें वे कुछ दिन पहले इजरायल गए थे और बाद में वह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हालांकि दुर्घटना के समय वे विमान में मौजूद नहीं थे। एक कार्यक्रम के दौरान दल ने भारतीय बहादुर पायलट को सम्मानपूर्वक याद किया। इस अवसर पर इजरायल के महापौर, भारत के राजदूत जे. पी. सिंह, अन्य गणमान्य अतिथियों और दर्शकों ने भारतीय पायलट के साहस को सलाम करते हुए भारत के प्रति सम्मान व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय संस्कृति की प्रस्तुति से द्वारका और देशवासियों में गर्व की भावना है।

हरिद्वार की छह ग्राम पंचायतों में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर डीएम ने दिए सख्त निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बुधवार को एनआईसी सभागार में बहादराबाद विकासखंड की छह ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में रावली महदूद, सुल्तानपुर मंजरी, अत्मलपुर बोंगला, खेड़ली, दादूपुर गोविंदपुर और सलेमपुर महदूद में कूड़ा निस्तारण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा नियमित सफाई व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि गांवों की गलियों, मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्थान पर कूड़ा एकत्र न होने दिया जाए तथा उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कूड़ा निस्तारण के लिए डंपिंग क्षेत्र बनाने के उद्देश्य से भूमि चिन्हित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया जाए। बहादराबाद एवं बीएचईएल क्षेत्र में लगने वाले पीठ बाजारों की सफाई व्यवस्था को लेकर भी जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार लगने से पहले, बाजार के दौरान और समाप्ति के बाद सफाई सुनिश्चित हो। पर्याप्त कूड़ा संग्रहण व्यवस्था के साथ बाजार समाप्त होते ही सफाई कराकर कूड़े का उचित निस्तारण कराया जाए। जिला पंचायत एवं बीएचईएल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पीठ बाजारों में पॉलीथिन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कराने तथा दुकानदारों को पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए प्रशासन के साथ ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जितेंद्र कुमार, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, नगर प्रशासक बीएचईएल अतुल सचान, बीडीओ बहादराबाद मानस मित्तल, नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी, आरएम सिडकुल कमल किशोर, कर अधिकारी सतीश चंद सहित ग्राम प्रधान एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पदभार संभालने से पहले राजनाथ से मिले एयर मार्शल आशुतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख नियुक्त किए गए एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद हुई इस मुलाकात में रक्षा मंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। एयर मार्शल दीक्षित वर्तमान में वायुसेना के उपप्रमुख हैं। वह 31 अक्टूबर को मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार संभालेंगे। इसके साथ ही वह भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन मिला था। करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने संचालन, प्रशिक्षण और उच्चस्तरीय सैन्य नेतृत्व से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। वह एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख और केंद्रीय वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रह चुके हैं।

सीएम सैनी के सिंगापुर दौरे के बाद 5,500 करोड़ के निवेश की बढ़ी संभावना

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपना तीन दिवसीय सिंगापुर दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। इस दौरे के दौरान विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने हरियाणा में करीब 5,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सहमति जताई है। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है।
मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका सिंगापुर दौरा 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा। उन्होंने जोर दिया कि हरियाणा के प्रति वैश्विक निवेशकों की बढ़ती रुचि यह दर्शाती है कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के लिए एक भरोसेमंद एवं आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी प्रशासन, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचा, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि इन निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। सिंगापुर दौरे के दौरान सबसे अधिक, करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में मिले। इनसे हरियाणा में अत्याधुनिक अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और वेलनेस सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने की संभावना है। सिंगापुर की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों से प्रेरित होकर, जल उपचार एवं प्रबंधन क्षेत्र में भी निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई, जिसके तहत करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी है। इन निवेशों से आधुनिक जल उपचार संयंत्रों, सीवेज ट्रीटमेंट, औद्योगिक जल प्रबंधन, जल के पुनः उपयोग और स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

हरिद्वार में पुलिस क्षेत्राधिकारियों के सर्किल बदले, दो नए सर्किल बढ़े

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद में तीन राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के आगमन के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने पुलिस क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जनपद में दो नए पुलिस सर्किल बढ़ाए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत विभिन्न क्षेत्राधिकारियों को अलग-अलग थानों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार सर्किल बहादराबाद की जिम्मेदारी सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी देवव्रत जोशी को दी गई है। उनके अधीन कोतवाली बहादराबाद और कोतवाली कलियर रहेंगी। सर्किल नगर में क्षेत्राधिकारी शिशुपाल नेगी को तैनात किया गया है, जिनके अधीन कोतवाली नगर और कोतवाली श्यामपुर होंगी। सर्किल ज्वालापुर की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी संजय चौहान को दी गई है, जिनके अधीन कोतवाली ज्वालापुर और कोतवाली पथरी रहेंगी। सर्किल सदर में क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र बलूनी को तैनात किया गया है। उनके अधीन कोतवाली सिडकुल और पुलिस लाइन की जिम्मेदारी होगी। सर्किल रुड़की में क्षेत्राधिकारी ओशिन जोशी को कोतवाली रुड़की और कोतवाली गंगनहर का दायित्व सौंपा गया है। सर्किल मंगलौर में क्षेत्राधिकारी अभिनय चौधरी को कोतवाली मंगलौर और कोतवाली झबरेड़ा की जिम्मेदारी दी गई है।
सर्किल लक्सर में क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी को कोतवाली लक्सर और कोतवाली खानपुर तथा सर्किल भगवानपुर में क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे को कोतवाली भगवानपुर और थाना बुग्गावाला की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सर्किल रानीपुर में क्षेत्राधिकारी दक्ष शोखंद को कोतवाली रानीपुर और कोतवाली कनखल का दायित्व सौंपा गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के इस फेरबदल का उद्देश्य क्षेत्रवार पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाना माना जा रहा है।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों में पार्किंग व नागरिक सुविधाओं के विस्तार की मांग

हरिद्वार (शिखर समाचार)। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका एवं अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती से मुलाकात कर कुंभ मेला-2027 की तैयारियों और व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मेला प्रशासन के समक्ष व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुंभ मेला मद से पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं के विस्तार की मांग रखी।
प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ की तैयारियों के साथ हरिद्वार की दीर्घकालीन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्थायी प्रकृति के अवस्थापना कार्यों को प्राथमिकता दिए जाने की सराहना की और सरकार एवं मेला प्रशासन का आभार जताया। मेलाधिकारी सोनिका और अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने कहा कि कुंभ की तैयारियों में व्यापारियों सहित सभी हितधारकों के सुझावों और प्रतिक्रियाओं को महत्वपूर्ण मानते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेला अवधि के साथ भविष्य में भी स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को इन कार्यों का लाभ मिले, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।
अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए कहा कि शहर के आंतरिक क्षेत्रों में संपर्क मार्गों और नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने के साथ

पार्किंग व्यवस्था को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संजीव नैयर, जिला प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री विजय शर्मा, प्रदेश सचिव कमल बृजवासी, जिला महामंत्री प्रदीप कालरा, हरिद्वार तहसील अध्यक्ष राहुल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने फुटपाथ निर्माण, सड़कों के सुदृढ़ीकरण, चौराहों के सुधार तथा अन्य स्थायी अवस्थापना कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों तक पैदल आवागमन को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए फुटपाथ निर्माण महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर दिए जा रहे ध्यान की भी प्रशंसा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन कार्यों से हरिद्वार की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और भविष्य में होने वाले आयोजनों के लिए भी बेहतर आधार तैयार होगा।

कंटिनुआ किड्स केंद्र का शुभारंभ: बच्चों के मस्तिष्क विकास और थेरेपी के लिए खुला नया केंद्र, विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने किया उद्घाटन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बच्चों के मस्तिष्क के विकास से जुड़ी समस्याओं के निदान, उनके बेहतर विकास और विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से नगर के निवाड़ी रोड पर कंटिनुआ किड्स नामक संस्था के एक नए केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन क्षेत्रीय भाजपा विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि बच्चों के मस्तिष्क के विकासात्मक चिंता और उससे संबंधित समस्याओं की थेरेपी के लिए अब तक अभिभावकों को अपने बच्चों को शहर से बाहर ले जाना पड़ता था। लेकिन अब मोदीनगर में ही इस केंद्र के खुलने से ऐसे बच्चों और उनके परिजनों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर बच्चा अपनी गति से सीखता है, लेकिन यदि वह अपनी उम्र के सामान्य बच्चों की तुलना में किसी खास कार्य में पीछे रह जाता है, तो इसे मस्तिष्क की विकासात्मक चिंता माना जाता है। विधायक ने शहर में ऐसा आधुनिक सेंटर खोलने के लिए संचालकों को बधाई दी। संस्था की निदेशक डॉ. पूजा कपूर ने केंद्र की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस केंद्र के माध्यम से बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार उन्हें वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी टीम का पूरा प्रयास होगा कि बच्चों को न केवल बेहतर थेरेपी मिले, बल्कि बच्चों और उनके अभिभावकों के भीतर एक नया आत्मविश्वास भी पैदा किया जा सके। इस अवसर पर डॉ. बुलबुल सागर, नीरज वर्मा तथा महेश नेहरा सहित क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिव्यांगों और गरीबों की उपेक्षा पर एम.आर. पाशा ने जताया रोष, सरकारी विभागों पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.आर. पाशा ने दिव्यांगों, गरीबों और मजलूमों की कथित उपेक्षा को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी नौकरी मिलने के बाद कई अधिकारी और कर्मचारी आम जनता की समस्याओं से दूरी बना लेते हैं और खुद को जनता का सेवक समझने के बजाय हुक्म चलाने वाला समझने लगते हैं। थानों, तहसीलों और अन्य सरकारी विभागों में दिव्यांगों तथा गरीबों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं होने से उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एम.आर. पाशा ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारियों के पास दिव्यांगों की फरियाद सुनने तक का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या लेकर सरकारी कार्यालय पहुंचने वाले दिव्यांगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के बजाय कई बार उन्हें डांट-फटकार कर लौटा दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पैसे के पुलिस थानों से लेकर विभिन्न सरकारी विभागों में काम कराना मुश्किल हो गया है। इसके कारण पात्र दिव्यांगों, गरीबों और विधवा महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डूडा सहित जनपद के कई विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास भवन में बैठने वाले अधिकारियों का ध्यान जनता की समस्याओं के समाधान के बजाय अपने हित साधने पर अधिक है। उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से बच रहे हैं। पाशा ने प्रशासन से दिव्यांगों और गरीबों की शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण कराने तथा भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों का प्रदर्शन: तीसरे दिन भी जारी रहा अनिश्चितकालीन धरना, भाजपाइयों ने अर्धनग्न होकर दी चेतावनी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले 6 सूत्रीय मांगों को लेकर बस स्टैंड स्थित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा के समक्ष शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे किसान कार्यकताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में लगभग 1 घंटे तक अर्धनग्न होकर जोरदार प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि जब तक उनकी समस्याएं हल नहीं होतीं, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। मोर्चे के अध्यक्ष बबली गुर्जर ने बताया कि सीकरी से लेकर कलछीना तक ग्रामीण मार्ग की बदहाल स्थिति में सुधार, सीकरी रोड तथा तिबड़ा रोड रेलवे फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज (फ्ढइ) या अंडरपास का निर्माण कराने समेत कुल 6 सूत्रीय मांगें शामिल हैं, जो सीधे तौर पर जनहित से जुड़ी हुई हैं। धरने के तीसरे दिन भी विभिन्न सामाजिक व किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। किसान नेताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए ऐलान किया कि बृहस्पतिवार से इस अनिश्चितकालीन धरने को क्रमिक अनशन में तब्दील कर दिया जाएगा, जिसके तहत रोजाना पांच-पांच किसान कार्यकर्ता क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। सभा की अध्यक्षता वीर सिंह ने की, जबकि मंच संचालन निर्दोष खटाना व तिलकराज अधाना ने संयुक्त रूप से निभाया।

प्रशासनिक फेरबदल: आजमगढ़ के एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह बने हापुड़ के नए कप्तान, कुंवर ज्ञानंजय सिंह बने प्रयागराज में डीसीपी

हापुड़ (शिखर समाचार)। शासन स्तर पर हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत आजमगढ़ के एसपी सिटी (नगर) मधुबन कुमार सिंह को हापुड़ का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। वहीं हापुड़ में तैनात रहे एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह को पदोन्नति के साथ प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी के पद पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शासन द्वारा जारी तबादला सूची में हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह को पदोन्नति देते हुए प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट का पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) बनाया गया है।

इसी क्रम में आजमगढ़ जिले में पुलिस अधीक्षक नगर (एसपी सिटी) के पद पर कुशलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे मधुबन कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए हापुड़ जिले के पुलिस कप्तान (एसपी) की कमान सौंपी गई है। नवनियुक्त एसपी मधुबन कुमार सिंह जल्द ही हापुड़ पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे।

राजनाथ सिंह ने प्रज्ज्वलित की सेवा ज्योति, गाजियाबाद में निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं देशसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को घंटाघर स्थित रामलीला मैदान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेवा ज्योति कलश प्रज्ज्वलित कर सेवा ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में युवाओं और नागरिकों ने भाग लिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सरकार बनाना नहीं, बल्कि देश का निर्माण करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने पूरी निष्ठा और सेवा भाव के साथ देश की सेवा की है और यह साबित किया है कि राजनीति देश निर्माण का माध्यम भी बन सकती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह नरेंद्र मोदी को

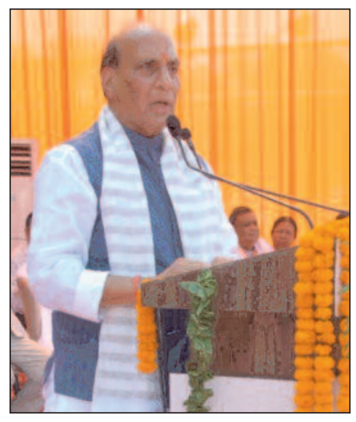

वर्ष 2001 से जानते हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री को निरंतर कार्य करते देखा है। उनके अनुसार मोदी ने व्यक्तिगत अवकाश की चिंता किए बिना देशसेवा को प्राथमिकता दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में बड़ा बदलाव आया है। आज दुनिया भारत की बात को गंभीरता से सुनती है और यह जानना चाहती है कि भारत का रुख क्या है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात की चिंता नहीं की कि दुनिया नाराज होगी या नहीं, बल्कि देश को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दी। संबोधन के बाद राजनाथ सिंह ने हाथ में सेवा ज्योति की मशाल लेकर सेवा ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, राज्यसभा सदस्य संगीता यादव, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, विधायक नंदकिशोर गुर्जर, संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, डॉ. मंजू सिवाच, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन पर बिजनौर में निकली भव्य सेवा संकल्प यात्रा

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक सेवा एवं शासकीय कार्यकाल के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बिजनौर शहर में भव्य कार्यक्रम और विशाल सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इंदिरा बाल भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशाल एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे भाजपा कार्यकताओं और आम लोगों ने सुना। कार्यक्रम का संचालन रवि चौधरी ने किया। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल और भाजपा संगठन के जिला प्रभारी सतपाल सिंह ने प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन के दौरान शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं और उनसे हुए बदलावों पर प्रकाश डाला। आयोजन को सफल बनाने में नगर पालिका परिषद के साथ राजस्व

विभाग, जिला कार्यक्रम विभाग, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता, शिक्षा विभाग, विकास विभाग और पूर्ति विभाग ने सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, अपर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण गोपाल सिंह, उपजिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद शहर के प्रमुख मार्गों से विशाल सेवा संकल्प यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई नगर पालिका परिषद कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इसके बाद महात्मा डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में बैठक हुई। प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, संगठन प्रभारी सतपाल सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने आयोजन में सहयोग करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यकताओं का आभार जताया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से वार्ता कर कार्यक्रम की जानकारी साझा की।

कनावनी के किसानों का संघर्ष रंग लाया: 55वें दिन भी धरना जारी, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद जीडीए वीसी समेत बड़े अधिकारी तलब

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ग्राम कनावनी के किसानों का अपनी जमीन और खसरा-खतौनी में नाम बहाली की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 55वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से समाधान न होने के कारण किसानों में भारी रोष व्याप्त है। हालांकि, इस बीच किसानों के न्याय की लड़ाई में एक बड़ी सफलता मिली है—माननीय उच्च न्यायालय ने मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को अवमानना (कंटेम्प्ट) नोटिस जारी कर तलब किया है। किसानों द्वारा न्यायालय के आदेशों का पालन कराने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद, माननीय उच्च न्यायालय ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के वीसी नंदकिशोर कलाल, एडीएम (भू-अर्जन) अवनीश कुमार सिंह तथा आवास एवं नियोजन सचिव (लखनऊ) डॉ. बलकार सिंह को कंटेम्प्ट नोटिस जारी किया है। इन सभी अधिकारियों को

23 नवंबर 2026 को हाईकोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना जवाब दाखिल करना होगा। किसानों ने बताया कि हाईकोर्ट ने पूर्व में छह माह के भीतर अवार्ड घोषित करने अथवा जमीन किसानों को वापस लौटाने का स्पष्ट निर्देश दिया था। तय समय सीमा समाप्त हुए करीब डेढ़ से दो माह का समय बीत चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। किसानों ने कहा कि अधिकारियों को अब अदालत के समक्ष जवाब देना ही पड़ेगा, जो उनके संघर्ष की एक बड़ी जीत है। किसानों ने दो टूक शब्दों में कहा कि वे अपनी जमीन किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं हैं। जब तक न्यायालय के आदेशानुसार खसरा-खतौनी में किसानों के नाम बहाल नहीं किए जाते, तब तक धरना समाप्त नहीं होगा। किसान नेता प्रवीण नागर और अशोक कसाना ने कहा कि यह लड़ाई अब अधिकार और अदालत के सम्मान की है। यदि जल्द मांग पूरी न हुई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरने के दौरान लिखीराम शर्मा, कैलाश नागर, चतर सिंह नागर, मथन सिंह नागर, श्रीचंद नागर, अंतराज कसाना, फतेह सिंह, दीपक महाराज सिंह नागर, परवीन नागर, अशोक कसाना, राजेंद्र नागर, गजेंद्र नागर, देवेंद्र नागर, रोहित नागर समेत बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

अहिल्या उद्धार, पुष्प वाटिका व जनकपुरी भ्रमण की लीला का मंचन: प्रभु श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हुआ पंडाल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। टंकी रोड स्थित श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में धार्मिक उल्लास छाया हुआ है। महोत्सव के तहत श्री महावीर आदर्श रामलीला एवं रासलीला मंडल के कलाकारों ने अहिल्या उद्धार, पुष्प वाटिका तथा जनकपुरी भ्रमण की लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण और मनमोहक मंचन किया। लीला के दौरान दिखाया गया कि मिथिला नरेश जनक द्वारा सीता स्वयंवर का निमंत्रण मिलने पर महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को साथ लेकर जनकपुरी के लिए प्रस्थान करते हैं। मार्ग में मुनि आश्रम के पास गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या मिलती हैं, जो वर्षों से एक श्राप के कारण पत्थर (शिला) बनी हुई थीं। प्रभु श्रीराम के पावन चरण स्पर्श पाते ही अहिल्या का उद्धार हो जाता है और उन्हें पुनः अपना दिव्य स्वरूप व सम्मान प्राप्त होता है। इस अलौकिक दृश्य को देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं ने 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयकारे लगाए। इसके पश्चात जनकपुरी पहुंचने पर श्रीराम और लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र की आज्ञा लेकर पूजा के लिए पुष्प चयन करने पुष्प वाटिका पहुंचते हैं। उसी समय माता सीता भी अपनी सखियों के साथ वाटिका में पधारती हैं। श्रीराम और माता सीता के इस प्रथम मनमोहक मिलन के दृश्य ने दर्शकों को पूरी तरह भाव-विभोर कर दिया। आगे की लीला में गुरु की आज्ञा पाकर दोनों भ्राता श्रीराम और लक्ष्मण जनकपुरी भ्रमण के लिए निकलते हैं। जैसे ही दोनों भाई नगर की गलियों से गुजरते हैं, उनकी मोहिनी छवि को निहारने के लिए नगरवासियों का हुजूम उमड़ पड़ता है। दसरथ नंदन श्रीराम की अनुपम छटा देखकर जनकपुरी वासी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। मंचन के दौरान हास्य कलाकारों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को लोटपोट किया। इस धार्मिक अवसर पर रामलीला कमेटी के पदाधिकारी बुद्ध प्रकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश चंद गोयल, सुभाष चंद्र गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, सचित गोयल, वासु गुप्ता, भूपेंद्र पाल, सुरेश चंद पहलवान, प्रमोद गोयल, मनोज कुमार, राकेश गर्ग, अर्पित गर्ग तथा संजय गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला में विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों की जानकारी

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान एवं विकसित भारत के अंतर्गत एक दिवसीय कैरियर परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अजय बाबू शर्मा, डॉ. नीतू त्यागी एवं डॉ. अर्चना ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, शामली से पहुंचे क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप कुमार और क्षेत्रीय अधिकारी अमित यादव ने छात्र-छात्राओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों, स्वरोजगार, कौशल विकास तथा रोजगार की संभावनाओं के बारे में उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप कैरियर का चयन करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

कार्यालय नगर पंचायत, थाना भवन, जनपद-शामली

पत्रांक सं0: 1286 / न0पं0था0 / दा0खा0प्रका0 / 2026-27 **प्रेस विज्ञप्ति** दिनांक: 05.10.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत थानाभवन की सीमा के अन्तर्गत नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (2) के अनुसार भवनो / प्लाट / दुकानों का दाखिल खारिज हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह लिखित रुप से साक्ष्य सहित प्रकाशन की तिथि से 45 दिन के अन्दर कार्यालय में प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक प्रस्तुत कर सकता है। सम्पत्ति का विवरण निम्न प्रकार है-

सम्पत्ति नामान्तरण

क्र. नं.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	सम्पत्ति का प्रकार (मकान, दुकान, प्लॉट)	मौहल्ला	अन्य विवरण
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	श्री चतर सैन पुत्र गिरवर	श्री प्रवेज आलम पुत्र अफजाल	प्लॉट आवासीय	शाहविलायत उत्तरी	बैनामा
2.	श्री इरफान पुत्र मौ0 मुर्तजा व इमरान अली पुत्र मुस्तफा	श्री मौ0 वसी पुत्र फरीद अहमद	दुकान वाणिज्यिक	दिल्ली - सहारनपुर रोड़	बैनामा
3.	श्रीमति प्रवीन पत्नि नौशाद	श्री शाकिर पुत्र युनुस	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	बैनामा
4.	श्री अमित कुमार पुत्र शीशपाल	श्री शीश कुमार पुत्र पौंदा	मकान आवासीय	शाहविलायत	दान पत्र
5.	श्रीमति इमराना पत्नि मुस्ताक	श्रीमति अमतुल पत्नि इस्माईल	मकान आवासीय	रेत्ती	वसीयतनामा
6.	श्री आजाद अहमद पुत्र पीर जी मतीन	श्रीमति नईमा पत्नि महताब	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	बैनामा
7.	श्रीमति उजमा जमील पुत्री जमील अहमद पत्नि आजाद अहमद	श्री अरशद व मौ0 अजमल व मौ0 असलम पुत्रगण जमील अहमद	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	दान पत्र
8.	श्रीमति मुनव्वर पत्नि सलीम	श्री सलीम पुत्र शरीफ	मकान आवासीय	असरफ कॉलोनी	दान पत्र
9.	श्री मौ0 इरफान पुत्र अब्दुल रहीम	श्री मुनव्वर पुत्र इशत्याक अहमद	प्लॉट आवासीय	बन्दागढ़	बैनामा
10.	श्रीमति आफरीन सिद्दिकी पत्नि फेज मौहम्मद	श्री असलम पुत्र असगर	मकान आवासीय	छतता बंगला	बैनामा
11.	श्री सद्दाम पुत्र लियाकत	श्रीमति मुनीफा पत्नि सईद अहमद	प्लॉट आवासीय	पट्टी मसावी अन्दर हदूद	बैनामा
12.	श्री रोजुद्दीन पुत्र रहतु	श्रीमति समीना पत्नि रोजुद्दीन	मकान आवासीय	बन्दागढ़	दान पत्र
13.	श्री हारून पुत्र शाभू	श्री मौ0 जावेद पुत्र मौ0 जमील	प्लॉट आवासीय	सैय्यादान	बैनामा
14.	श्री तपधारी पुत्र जगदीश	श्री ब्रहमपाल शर्मा पुत्र कर्म सिंह	मकान आवासीय	मुजावरान	बैनामा
15.	श्रीमति सुमन पत्नि तपधारी	श्रीमति सरोज शर्मा पत्नि ब्रहमपाल शर्मा	मकान आवासीय	मुजावरान	बैनामा
16.	श्री प्रशान्त भटनागर पुत्र ओमपाल भटनागर	श्रीमति सलमा तारीक पत्नि काजी मौ0 तारीक फारूकी, हफसा फातिमा फारूकी पुत्री काजी मौ0 तारीक फारूकी	प्लॉट आवासीय	जोगियान	बैनामा
17.	श्री विशाल गोयल, बसंत गोयल, रजत गोयल व सौरभ गोयल पुत्रगण प्रदीप कुमार	श्रीमति मेमवती पत्नि रामनाथ गोयल	मकान आवासीय	अग्रवाल कॉलोनी	वसीयतनामा
18.	श्रीमति साजिदा पत्नि साजिद	श्रीमति मोनिका शर्मा पत्नि रविन्द्र कुमार	प्लॉट आवासीय	पट्टी कालरू अन्दर हदूद	बैनामा
19.	श्रीमति यासमीन पत्नि रिफाकत	श्रीमति अमीना खातून पत्नि जमशैद अली	प्लॉट आवासीय	पट्टी मसावी अन्दर	बैनामा
20.	श्री तालिब पुत्र अजीजान	श्री बाबू कुरैशी पुत्र मुंशी	प्लॉट आवासीय	शाहविलायत	बैनामा
21.	श्री फईम पुत्र नसीम	श्री नसीम पुत्र हबीब	मकान आवासीय	रेत्ती	दान पत्र
22.	श्री यूनूस अहमद पुत्र यामीन अली	श्री रणजीत सिंह पुत्र सरदार रघुवीर सिंह	प्लॉट आवासीय	शाहविलायत	बैनामा
23.	श्रीमति सीमा रानी पत्नि धर्मेन्द्र कुमार	श्री नन्द किशोर पुत्र महेन्द्र	मकान आवासीय	अस्पताल कॉलोनी	बैनामा
24.	श्री धर्मेन्द्र कुमार पुत्र हरपाल सिंह	श्री जावेद अब्बास पुत्र जमीर हुसैन	मकान आवासीय	सैय्यादान	बैनामा
25.	श्री निमित कुमार पुत्र ओमकार सिंह	श्रीमति सलमा तारीक पत्नि काजी मौ0 तारीक फारूकी	प्लॉट आवासीय	जोगियान	बैनामा
26.	श्री कृष्णपाल पुत्र दीपचन्द	श्री नरेश कुमार पुत्र रणवीर सिंह व विनोद कुमार पुत्र राजकुमार	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	बैनामा
27.	श्री इलियास पुत्र नत्थू	श्री अनिल कुमार पुत्र सलेकचन्द	प्लॉट आवासीय	नबीपुरा	बैनामा
28.	श्रीमति मधु पत्नि नितिश कुमार	श्री श्यामसुन्दर पुत्र मलखान	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	बैनामा
29.	श्री एहसान पुत्र नवाब	श्री रणजीत सिंह पुत्र सरदार रघुवीर सिंह	प्लॉट आवासीय	शाहविलायत	बैनामा
30.	श्री आबिद पुत्र सगीर	श्री हुसैन अहमद पुत्र रशीद अहमद	प्लॉट आवासीय	हाफिज दोस्त	बैनामा

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत थानाभवन
शामली

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 25 अक्तूबर को काशी में जेन-जी से करेंगे संवाद, जींस और टीशर्ट में आएंगे 30 हजार युवा

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अक्तूबर को काशी आएंगे। वह नमो घाट जाकर एयर शो देखेंगे फिर जेन जी से संवाद करेंगे। इसके लिए बीएचयू या फिर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में व्यवस्था की जा रही है। जेन जी संवाद में 18 से 25 साल के करीब 30 हजार युवा हिस्सा लेंगे। सब जींस और टीशर्ट पहनकर आएंगे।भाजपा नेताओं के मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी 25 अक्तूबर की सुबह ही काशी आ जाएंगे। वह नमो घाट जाएंगे जहां राफेल सहित 90 फाइटर जेट करतब दिखाएंगे। फाइटर जेट बाबतपुर एयरपोर्ट और प्रयागराज से उड़ान भरेंगे। पीएम के साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल, सीडीएस, तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारी में भाजपा की क्षेत्रीय, जिला और महानगर इकाई जुट गई है। सुरक्षा व्यवस्था भी परखी जा रही है। काशी में एयर शो 22, 24 और 25 अक्तूबर को होना है। पीएम अंतिम दिन एयर शो देखेंगे।

ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी से जूझ रहे मरीज का सफल ऑपरेशन

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। सड़क हादसे में बुरी तरह प्रभावित हुए 21 वर्षीय युवक तुलाराम के दाहिने हाथ की नसों को माइक्रोसर्जरी के जरिये फिर से जीवनदान दिया है। ब्रेकियल प्लेक्सस नर्व ट्रांसफर सर्जरी से युवक के कंधे की रुकी हुई गतिविधि को सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है।विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रीप्रिया पीपी और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रणय सिंह चकोटिया के नेतृत्व में इस जटिल माइक्रोसर्जिकल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस सर्जरी का मुख्य उद्देश्य मरीज के कंधे और हाथ को बाहर की ओर उठाने की क्षमता को दोबारा शुरू करना था। इस पूरी सर्जिकल प्रक्रिया में रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. अर्पिता और डॉ. मोहित ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। वहीं, एनेस्थीसिया (निश्चेतना) टीम की जिम्मेदारी डॉ. अमृता गुप्ता, डॉ. दीपिका चौबे और डॉ. विनिता लिप्टन ने बखूबी निभाई। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने पूरी चिकित्सीय टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान मरीजों को उच्चस्तरीय और उन्नत चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डॉक्टरों के अनुसार, सफल सर्जरी के बाद अब मरीज की हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

रामायण की प्रदर्शनी देख खुद ही ठहर जाएंगे कदम, इसमें है कुछ बेहद खास

आगरा। झालरों की सतरंगी रोशनी से जगमगाती जनकपुरी की सड़कों पर मंगलवार को भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र में रामायण के विभिन्न दृश्यों और घटनाक्रमों को जीवंत करती झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके अलावा होली पब्लिक स्कूल चौराहे पर सजा भव्य शंख भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता नजर आया। जनकपुरी महोत्सव के मेले का सा मनमोहक दृश्य नजर आया। जगमगाती रोशनी के बीच सड़कों पर उमड़ती भीड़ को देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो पूरा शहर ही जनकपुरी देखने ने के लिए आ गया हो। क्षेत्र में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी विशेष प्रदर्शनियों को देखकर लोगों के कदम स्वतः ठहर जाते और वे इन पलों को अपने मोबाइल में कैद करते दिखाई दिए। भारी भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। स्थिति यह रही कि जनक महल तक पहुंचने में लोगों को घंटों लग गए। वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं होने के कारण बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जनक महल के पास रास्ता जाम होने के कारण दोनों तरफ से वाहन उल्टी-सीधी दिशा में निकलने लगे, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया और लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

मौत से पहले का बयान बन सकता है अहम साक्ष्य, संभव हो तो डिजिटल रिकॉर्डिंग पर जोर

लखनऊ। मौत की आशंका वाले मामले में पीड़ित का बयान जांच के लिए अहम साक्ष्य बन सकता है। ऐसे में उसका बयान तत्काल दर्ज किया जाना चाहिए और संभव हो तो उसकी डिजिटल रिकॉर्डिंग भी कराई जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने मंगलवार को प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) 2025 बैच के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों को फॉरेंसिक विज्ञान की बारीकियां समझाते हुए यह बात कही। कानपुर रोड के दरोगाखेड़ा स्थित संस्थान के भ्रमण पर पहुंचे प्रशिक्षु अधिकारियों ने डीएनए और ड्रोन लैब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें फॉरेंसिक विज्ञान में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीकों और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस के माध्यम से सच्चाई को वैज्ञानिक रूप से कानून के समक्ष लाकर न्याय दिलाने में सहयोग करना संस्थान का मूल उद्देश्य है। फील्ड में सिविल सेवा का कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण है और इसमें त्याग व समर्पण की जरूरत होती है। अधिकारियों को विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक रूप से सदैव तैयार रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि कानून और विज्ञान का संगम ही फॉरेंसिक विज्ञान है और फॉरेंसिक एक विजन है। साइबर और फॉरेंसिक विज्ञान आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। आधुनिक तकनीक पर बढ़ती निर्भरता के कारण व्यक्ति हर जगह अपना डिजिटल फुटप्रिंट छोड़ता है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक चिरंजीव मुखर्जी, अतुल यादव, पलक अनेजा, सेंथिल शिव सुब्रमण्यम, जनसंपर्क अधिकारी संतोष कुमार तिवारी, आरआई शैलेंद्र सिंह सहित शैक्षणिक संवर्ग के संकाय मौजूद रहे।

कपास की ओर बढ़ा किसान का रुझान, फिर बढ़ने लगा रकबा

अलीगढ़। खेतों में अब पारंपरिक धान-गेहूं की फसलों के साथ कपास की सफेदी भी नजर आने लगी है। पिछले साल कपास के अच्छे भाव ने किसानों का भरोसा लौटाया तो इस बार जिले में कपास का रकबा 3058 हेक्टेयर तक बढ़ गया।

विश्व स्तर पर सात अक्तूबर को कपास दिवस मनाया जाएगा। यह कपास के महत्व को पहचानने के लिए मनाया जाता है। जिले में पिछले साल 2420 हेक्टेयर में कपास बोई गई थी, जो इस बार बढ़कर 5478 हेक्टेयर हो गई है। गभाना, चंडौस और बरौली क्षेत्र में किसानों ने पारंपरिक फसलों से हटकर कपास की खेती को तवज्जो दी है। उधर, सर्दी शुरू होने से पहले ही मंडी में अगैती कपास की आवक भी शुरू हो गई है। देसी कपास करीब 7000 रुपये और अमेरिकी कपास 6500 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रही है। अच्छी कीमत मिलने से किसानों के चेहरे खिले हैं। मंडी से कपास स्थानीय मिलों में भेजी जाएगी, जहां इससे रूई तैयार होगी।

गभाना के गांव पैराई के किसान राहुल सिंह गुड़िया ने बताया कि पहले क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कपास होती थी, लेकिन भाव गिरने पर किसानों ने दूसरी फसलों का रुख कर लिया। पिछले साल अच्छे दाम मिले तो उन्होंने इस बार करीब 15 हेक्टेयर में कपास बोई। अब शुरुआती आवक में ही बेहतर भाव मिलने से उम्मीद बढ़ी है।

सेवा ज्योति यात्रा से दिया विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी का संदेश

रुड़की/हरिद्वार (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को बीएसएम कॉलेज रुड़की के मैदान में ह्यसेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत संकल्प सभाह्ल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुना।

कार्यक्रम में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, नगर निगम हरिद्वार की मेयर किरण जैसल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, रुड़की की मेयर डॉ. मधु सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा और बैडमिंटन खिलाड़ी भारत भूषण गुप्ता सहित अतिथियों ने सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित की और उपस्थित लोगों को विकसित भारत-2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाया।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य गरीब, वंचित, किसान, महिला और युवा सहित सभी वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं को गति दे रही है। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी सुनिश्चित होगा, जब पात्र लोगों तक समय पर जानकारी और सुविधाएं पहुंचें। उन्होंने लोगों से आसपास के जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा ह्यजन सेवा से राष्ट्र सेवाह्ल की भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर विधायक रानीपुर आदेश चौहान, राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल, आदेश सैनी, नितिन गौतम, शोभाराम प्रजापति, अजीत सिंह, सागर गोयल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ, तहसीलदार शुभाग्नि सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, अधिकारी और आमजन मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा के बाद निकली सेवा ज्योति यात्रा

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली के प्रांगण में बुधवार को विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल तथा जिला प्रभारी राजा वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सुना।

प्रधानमंत्री के संबोधन में विकसित भारत के संकल्प, सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार रखे गए। संबोधन के बाद नगर पालिका परिसर से सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए शिव चौक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई। कार्यकताओं ने कहा कि पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ उन्हें योजनाओं के प्रति जागरूक करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम का संचालन पीयूष सैनी ने किया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, महामंत्री राजेश मलिक, पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल, प्रतिभा उर्फ सिमरन, बबिता चौहान, विनीत शर्मा, पूर्व अध्यक्ष थानाभवन संजय शर्मा, कपिल पंवार, पुनीत द्विवेदी, रोबिन गर्ग सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2 16 हजार फीट से एएचएपी का पहला लाइव जंप, आगरा की एडीआरडीई ने रचा नया कीर्तिमान

आगरा। आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (एडीआरडीई) की ओर से डिजाइन और विकसित एडवांस्ड हाई-एल्टीट्यूड पैराशूट (एएचएपी) का पहला लाइव जंप सफल रहा है। पूर्वी लद्दाख के न्योमा (मुध) ड्रॉप जोन में 16 हजार फीट की ऊंचाई से पैराट्रूपर ने छलांग लगाई। परीक्षण में पैराशूट 15,500 फीट की ऊंचाई पर खुला और करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित न्योमा मुध ड्रॉप जोन में सुरक्षित लैंडिंग हुई। एएचएपी स्टैटिक लाइन पैराशूट प्रणाली है, जिससे बड़ी संख्या में पैराट्रूपर्स को एक साथ उतारा जा सकता है। विमान से जुड़ी स्टैटिक लाइन के जरिये पैराशूट स्वतः खुल जाता है। एएचएपी की परिचालन ऊंचाई 18,000 फीट तक है। इसकी उतरने की दर अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए सुरक्षित रखी गई है। इतनी ऊंचाई पर स्टैटिक लाइन से छलांग में पैराशूट खुलने पर तेज झटका और उतरने की अधिक दर के कारण जोखिम रहता है।

इसका निर्माण ऑर्डनेंस पैराशूट फैक्टरी, कानपुर ने किया। रक्षा उत्पादन विभाग के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय ने निरीक्षण और सैन्य विमानन योग्यता एवं प्रमाणन केंद्र, क्षेत्रीय सैन्य उड़न योग्यता केंद्र कानपुर ने प्रमाणन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। रक्षा सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने टीम को बधाई दी।

आईएमएस गाजियाबाद में इन्वेन्ट-2026 का आयोजन, 25 शिक्षण संस्थानों के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस की ओर से अंतर संस्थागत तकनीकी वार्षिक कार्यक्रम इन्वेन्ट-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस समूह के महासचिव सीए डॉ. राकेश छारिया, मुख्य अतिथि नितीश कुमार, संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. जसकिरण कौर और विभागाध्यक्ष डॉ. गगन वार्ष्णेय ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया।

कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रश्नोत्तरी, इलेक्ट्रो आर्ट, बग बाउंटी, रोबो वेलोसिटी और बूयह कप सहित पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिल्ली-एनसीआर के 25 विद्यालयों और महाविद्यालयों से 400 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर प्रतिभाग किया। इनमें संत टेरिसा अकादमी, के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, रेयान स्कूल, केंद्रीय विद्यालय आरकेजीआईटी, मंगलमय समूह, दिल्ली विश्वविद्यालय, एसआरएम विश्वविद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय और काइट कॉलेज के विद्यार्थी शामिल रहे।

सीए डॉ. राकेश छारिया ने विद्यार्थियों से रचनात्मकता, नवाचार और तकनीकी कौशल विकसित करने का आह्वान किया। निदेशक प्रोफेसर डॉ. जसकिरण कौर ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। मुख्य अतिथि नितीश कुमार ने तकनीकी आयोजनों को टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रश्नोत्तरी में रेयान इंटरनेशनल स्कूल के क्षितिज गांगुली प्रथम और आईएमएस के दीपांशी व प्रतीक चौधरी द्वितीय रहे। इलेक्ट्रो आर्ट में एनआईईटी की मानवी व प्रशांत प्रथम तथा आईएमएस के शिवम व ख्याति द्वितीय रहे। बग बाउंटी में आरवीआईटी बिजनौर के हर्षित राजपूत प्रथम और कनिका गर्ग द्वितीय रहीं। विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

नामांकन भरने की तारीख खत्म, कुल 188 ने भरा पर्चा; 23 अक्तूबर को होगी वोटिंग-निर्देश जारी

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश के पांच मेरठ खंड स्नातक, आगरा खंड स्नातक, वाराणसी खंड स्नातक, लखनऊ खंड स्नातक व इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों मेरठ खंड शिक्षक, आगरा खंड शिक्षक, वाराणसी खंड शिक्षक, लखनऊ खंड शिक्षक, बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक में 23 अक्तूबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने और मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।फर्जी मतदान को रोकने के लिए ऐसे सभी मतदाता जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं, उन्हें मताधिकार का प्रयोग करने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि जो निर्वाचक किसी कारणवश अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ रहते हैं, उन्हें मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों की मान्यता दी गई है।

ये मान्य दस्तावेज हैं : आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्य व केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों की ओर से अपने कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान-पत्र, सांसदों, विधायकों व पार्षदों को जारी सरकारी पहचान-पत्र, संबंधित शिक्षक या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक जिस शैक्षणिक संस्था में नियोजित हो, उस संस्था द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण-पत्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। इनिशिएटिव फॉर मोरल एंड कल्चरल ट्रेनिंग फाउंडेशन (आईएमसीटीएफ) एवं गुरुकुल संगीत विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सरस्वती ज्ञान मंदिर में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों ने गायन, लोकगीत, चित्रकला और पोस्टर निर्माण में प्रतिभा दिखाई। सांस्कृतिक विधाओं में एकल गायन, सामूहिक देशभक्ति गीत और लोकगीत प्रतियोगिताएं हुईं। रचनात्मक विधाओं में चित्रकला व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। करीब 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें दुर्गावती दुर्गा प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज, सेठ मोतीलाल खेड़िया विद्यालय, कैलाश सरस्वती विद्या मंदिर, बीएनएसडी शिक्षा निकेतन व सनातन धर्म एजुकेशन सेंटर समेत अन्य शामिल रहे। आयोजकों के अनुसार अगली प्रतियोगिताएं नौ अक्तूबर को यूनाइटेड पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज, 24 अक्तूबर को डीडी विद्या निकेतन चकेरी और 27 अक्तूबर को रतन चंद खत्री इंटर कॉलेज में होंगी।

अवैध प्लाटिंग पर प्राधिकरण का बड़ा बुलडोजर एक्शन: 7 स्थानों पर 49 हजार वर्ग मीटर कॉलोनी ध्वस्त

पुलिस बल के साथ एचपीडीए की बड़ी कार्रवाई से कॉलोनाइजरों में मचा हड़कंप

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने अवैध निमार्णों और बिना स्वीकृति के काटी जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा अभियान चलाया है। प्राधिकरण की टीम ने थाना देहात पुलिस बल और सचल दस्ते के सहयोग से क्षेत्र के 7 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 49,900 वर्ग मीटर भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

प्राधिकरण उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र के निदेशों के अनुपालन में चलाए गए इस ध्वस्तीकरण अभियान से अवैध प्लाटिंग करने वालों और भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन दल ने जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध रूप से बनाई जा रही बाउंड्रीवॉल, पक्की सड़कों और निमार्णों को जमींदोज कर दिया।

इन स्थानों पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर:

फायर स्टेशन के सामने, स्वर्ग आश्रम रोड (खसरा सं. 248): कपिल त्यागी, अरविन्द सिंह व सूरज सिंह द्वारा 15,000 वर्ग मीटर में की जा रही अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण किया गया। किठौर रोड, टियाला (मेरठ बाईपास के निकट): शेखर त्यागी, जावेद एवं नीरज कुमार द्वारा 10,000 वर्ग मीटर में किए जा रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

असौड़ा, मेरठ रोड: भू-स्वामी इरशाद व उसमान तथा विकासकर्ता राजीव व जितेन्द्र द्वारा 8,000 वर्ग मीटर में विकसित की जा रही कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। गोंदी सलाई रोड (नया बाईपास के पास): बबलू व विजय पुत्र मंगू द्वारा 6,300 वर्ग मीटर में की जा रही प्लाटिंग को जमींदोज किया गया। जरौंठी रोड (सिलाई मशीन फैक्ट्री के पास): आसिफ प्रधान व कलुआ द्वारा 3,100 वर्ग मीटर में किए गए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला। टियाला गाँव के पास, नया बाईपास: रवि प्रकाश, जावेद, अहमद व साजिद पुत्र अल्ला महर द्वारा 5,000 वर्ग मीटर में की जा रही प्लाटिंग ध्वस्त की गई। ग्राम-गोयना (पोस्टमार्टम हाउस के निकट, खसरा सं. 63): कुलदीप व धर्मेन्द्र द्वारा 2,500 वर्ग मीटर में किया जा रहा अवैध निर्माण पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी: प्रभारी सचिव

प्राधिकरण के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि हापुड़ विकास क्षेत्र के अंतर्गत बिना लेआउट और मानचित्र स्वीकृत कराए की जा रही किसी भी प्लाटिंग या निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध निमार्णों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

आमजन से अपील:

प्राधिकरण ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी मेहनत की कमाई किसी भी अवैध कॉलोनी में न लगाएं। जमीन खरीदने या निर्माण करने से पहले नियमानुसार प्राधिकरण से स्वीकृत लेआउट और मानचित्र की जांच अवश्य कर लें। अवैध निमार्णों पर होने वाली प्रशासनिक कार्रवाई आर्थिक क्षति के लिए व्यक्ति स्वयं उत्तरदायी होगा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर कटे: पुलिस ने समय पर अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान, एसपी ने टीम को किया सम्मानित करने का ऐलान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र अंतर्गत छिजारसी रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके दोनों पैर कट गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पिलखुवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाया, जिससे उसकी जान बच सकी। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए गाजियाबाद रेफर कर दिया गया है। पुलिस की इस तत्परता और मानवीय पहल की एसपी ने सराहना करते हुए पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है। थाना पिलखुवा प्रभारी निरीक्षक मनोज बालियान ने बताया कि बुधवार तड़के

पुलिस को सूचना मिली थी कि छिजारसी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल पड़ा है। घायल युवक की पहचान मुरादाबाद निवासी अभिषेक के रूप में हुई है। अभिषेक दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रहा था, तभी छिजारसी रेलवे फाटक के समीप वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसके दोनों पैर कट गए। हादसा बेहद दर्दनाक था और युवक को तत्काल डॉक्टरी सहायता की सख्त आवश्यकता थी। सूचना मिलते ही दरोगा विवेक चौहान, दरोगा रिंकू सिंह, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार और रिजर्व कांस्टेबल सौरभ बिना कोई समय गंवाए मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया और उसके परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। पुलिस टीम द्वारा दिखाई गई इस मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता की पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है। एसपी ने जान बचाने वाली पूरी पुलिस टीम को पुरस्कृत कर सम्मानित करने की घोषणा की है।

मेपल्स एकेडमी में तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर शुरू, विद्यार्थियों ने सीखे सेवा और आपदा प्रबंधन के गुर

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में बुधवार को तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों, सेवा भावना और विभिन्न उपयोगी कौशलों की जानकारी हासिल की। शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने किया। पहले दिन कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना और पारंपरिक स्काउट-गाइड प्रार्थना के साथ हुई। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक गौरव सिंह और मोहम्मद चांद ने विद्यार्थियों को स्काउटिंग के सिद्धांतों और सेवा कार्यों के महत्व की जानकारी दी। ध्वजारोहण के साथ विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देने, तंबू लगाने तथा संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तीन दिवसीय शिविर से विद्यार्थियों में शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक मजबूती, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और नैतिक मूल्यों का विकास होगा। उन्होंने बताया कि आगामी दो दिनों में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रोमांचक, ज्ञानवर्धक और साहसिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। शिविर के सफल संचालन में शिक्षक मोहित कुमार और आशीष कुमार ने विशेष योगदान दिया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों से शिविर की सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया।

एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक, प्रत्याशी की जीत के लिए बनाई रणनीति

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले विधान परिषद सदस्य चुनाव को लेकर भाजपा संगठन की बैठक शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला एवं विधानसभा संयोजक डॉ. विकास कुमार पुंडीर के प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करते हुए भाजपा प्रत्याशी को बहुमत से विजयी बनाने के लिए संगठनात्मक रणनीति पर विचार-विमर्श किया। बैठक में डॉ. राजपाल सिंह पुंडीर ने अपनी कविता के माध्यम से कार्यकताओं में उत्साह का संचार किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी और हरिओम शर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने कार्यकताओं को चुनावी तैयारियों और मतदाताओं से संपर्क बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और आपसी समन्वय के साथ चुनाव में जुटने का आह्वान किया। इस दौरान डॉ. विकास कुमार पुंडीर और जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री रूपेंद्र सैनी, प्रवीण ठकराल, अरुण खारी, योगेंद्र चौधरी, अनुज सहरावत, विनीत ठाकुर, रविकांत प्रधान, अनिल चौहान, सुधीश पुंडीर, जानसठ के पूर्व चेयरमैन परविंदर भड़ाना, कुलदीप तोमर और विपिन प्रधान सहित पांचों मंडलों की संगठन टीम के पदाधिकारी एवं स्नातक तथा शिक्षक चुनाव से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में कार्यकताओं ने चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को मजबूत समर्थन दिलाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का संकल्प लिया।

सेवा सेतु शिविर में सैकड़ों लोगों ने लिया सरकारी योजनाओं का लाभ

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर पालिका परिषद कैराना परिसर में सेवा सेतु अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष शमशाद अंसारी और अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप ने किया। अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप ने कहा कि शासन की मंशा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के उपलब्ध कराना है। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से लोगों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है और एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। शिविर में पेंशन, राशन

कार्ड, परिवार पहचान पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन्म-मृत्यु पंजीकरण सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों पर मौजूद कर्मचारियों ने लोगों के आवेदन प्राप्त किए और संबंधित योजनाओं की पात्रता, नियमों तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। सैकड़ों लाभार्थियों ने शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और अपनी समस्याएं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष रखीं। इनमें कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि विभिन्न योजनाओं के लिए पात्र लोगों के आवेदन भी जमा किए गए। शिविर के आयोजन से स्थानीय लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी और आवेदन संबंधी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हुईं। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में विकसित भारत संकल्प सभा, जेपी नड्डा ने शुरू की सेवा ज्योति यात्रा

ग्रेटर नोएडा/गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को इंडिया एक्सपो मार्ट एवं सेंटर, ग्रेटर नोएडा में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित कर यात्रा का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। सभा में सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी एवं सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद जेपी नड्डा ने सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित कर

सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया। यात्रा इंडिया एक्सपो मार्ट से शुरू होकर गुर्जर सेवा संस्थान, ग्रेटर नोएडा पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल लोगों ने उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम स्थल पर '25 वर्ष जनसेवा से राष्ट्रसेवा' विषय के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और देश-प्रदेश की विकास यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा एवं जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाने तथा विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

श्रम विभाग की सराहनीय पहल: गौतमबुद्ध नगर में श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर आयोजित, सैकड़ों श्रमिकों की हुई जांच

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। प्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुपालन में श्रमिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए श्रम विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा 6 और 7 अक्टूबर 2026 को जनपद के विभिन्न औद्योगिक एवं निर्माण स्थलों पर श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। संपूर्ण प्रदेश में 6 से 8 अक्टूबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत श्रमिकों को उनके कार्यस्थल पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी के दिशा निर्देशन में आयोजित इन स्वास्थ्य शिविरों का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के तहत श्रम प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा जनपद की प्रमुख निमार्णाधीन इकाइयों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों जैसे एटीएस (सेक्टर-152), डासनाच (सेक्टर-93), गौर आइलैंड, जेपी ग्रीन्स कैंपस (परी चौक, ग्रेटर नोएडा), आनंद हैबिटेट

इंफ्रास्ट्रक्चर (प्लॉट नं. अ-37, सेक्टर-62), टीसीएस (सेक्टर-145) तथा ईऑन फेयरफैक्स (सेक्टर-140) सहित कई स्थानों पर शिविर लगाए गए। शिविरों के दौरान डॉक्टरों की टीम ने श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं व डॉक्टरी सलाह दी। साथ ही नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित जीवनशैली, स्वच्छता और कार्यस्थल पर सुरक्षा सावधानियों के प्रति जागरूक भी किया गया।

अभियान की जानकारी देते हुए सहायक श्रमायुक्त सुयश पांडेय एवं डॉ. एस.पी. सिंह ने बताया कि श्रमिक प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास की मजबूत रीढ़ हैं। उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण की देखभाल केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि सशक्त कार्यबल के निर्माण का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग शासन की मंशा के अनुरूप श्रमिकों को उनके कार्यस्थल के पास ही हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान श्रम विभाग ने स्वस्थ श्रमिक सशक्त श्रमिक की भावना का संदेश देते हुए श्रमिकों के प्रति अपनी कल्याणकारी प्रतिबद्धता दोहराई।

GNALSR में राष्ट्रीय क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, देशभर से जुटीं 23 टीमें

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (GNALSR), GNIOT ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के परिसर में राष्ट्रीय क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को कानूनी ज्ञान, तार्किक विश्लेषण, संवाद कौशल, क्लाइंट हैंडलिंग क्षमता तथा व्यावहारिक कानूनी परामर्श कौशल प्रदर्शित करने के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना रहा। प्रतियोगिता में देशभर से 23 बाहरी टीमों ने प्रतिभाग किया, जबकि GNALSR के 16 विद्यार्थियों ने क्लाइंट की भूमिका निभाई। क्लाइंट, स्वयंसेवकों और दर्शकों सहित करीब 120 विद्यार्थियों की सहभागिता रही। प्रतियोगिता को प्रारंभिक चरण, सेमीफाइनल और फाइनल सहित तीन चरणों में आयोजित किया गया। मूल्यांकन के लिए विधि क्षेत्र और अकादमिक जगत से जुड़े 12 प्रतिष्ठित निर्णायकों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों के कानूनी तर्क, संवाद

क्षमता, समस्या के विश्लेषण और क्लाइंट काउंसलिंग कौशल का मूल्यांकन किया।

जस्टिस आर. के. गौबा रहे मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अधिवक्ता भारत चुघ की भी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति आर. के. गौबा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता भारत चुघ उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन और संबोधन ने प्रतियोगिता को अकादमिक एवं व्यावसायिक दृष्टि से विशेष महत्व प्रदान किया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह न्यायमूर्ति एच. आर. खन्ना मूट कोर्ट हॉल में आयोजित किया गया, जहां प्रतिभागियों और विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। आयोजन डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, चेयरमैन, GNIOT ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एवं मुख्य संरक्षक, गौरव गुप्ता, वाइस चेयरमैन एवं संरक्षक तथा डॉ. कल्पना रानी जायस, डीन, GNALSR एवं संरक्षक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के कन्वीनर डॉ. मोहम्मद कैफ तथा को-कन्वीनर अमर अंशुल और अरुशी श्रीवास्तव रहे। आयोजन समिति, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस प्रतियोगिता ने विधि शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण, पेशेवर संवाद और वास्तविक क्लाइंट काउंसलिंग कौशल को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी पहचान बनाई।

ग्राम प्रधान पुत्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग: बाल-बाल बची जान, दो नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली बादलपुर क्षेत्र के बंबावड़ गांव में बेखौफ बदमाशों द्वारा ग्राम प्रधान के पुत्र पर अंधाधुंध गोलियां चलाकर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारदात के दौरान पीड़ित ने जमीन पर लेटकर बमुश्किल अपनी जान बचाई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए कार में सवार होकर मौके से फरार हो गए। गोलियों की तड़तड़ाहट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि बंबावड़ गांव निवासी नीतीश अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके पिता चंद्रपाल गांव के वर्तमान प्रधान हैं। बीते 3 अक्टूबर की रात करीब साढ़े दस बजे नीतीश अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान एक कार में सवार होकर अंकित, नीतीश नाम के दो युवक अपने दो अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही प्रधान पुत्र नीतीश को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दीं।

अचानक हुई फायरिंग से हड़कंप मच गया और नीतीश ने मुस्तैदी दिखाते हुए जमीन पर लेटकर अपनी जान बचाई। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। वारदात के बाद हमलावर "इस बार तो बच गया, अगली बार जान से मार देंगे" की धमकी देते हुए तेजी से कार में सवार होकर भाग निकले।

घटना की सूचना तुरंत आपातकालीन नंबर 112 पर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पीड़ित नीतीश की तहरीर के आधार पर बादलपुर पुलिस ने दो नामजद (अंकित व नीतीश) तथा दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 3155 करोड़ का निवेश, 9000 से अधिक रोजगार के अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। प्राधिकरण की ओर से 25 कंपनियों को आशय पत्र जारी किए गए हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से करीब 3155 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश प्रस्तावित है, जबकि 95 एकड़ भूमि पर उद्योग स्थापित होने से 9000 से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालिका अधिकारी मनीष मीणा के अनुसार, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों में कंपनियों को स्थान उपलब्ध कराकर क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

प्रस्तावित निवेश के तहत सेक्टर-8डी में सामान्य उद्योगों के लिए 11 कंपनियों को स्थान दिया गया है। सेक्टर-29 में वस्त्र, हस्तशिल्प और सामान्य उद्योग से जुड़ी आठ कंपनियों को आशय पत्र जारी किए गए हैं। इनमें तीन वस्त्र उद्योग, एक हस्तशिल्प और चार सामान्य उद्योग से संबंधित हैं। सेक्टर-28 के चिकित्सा उपकरण पार्क में एक कंपनी को मंजूरी दी गई है। सेक्टर-24 के मिश्रित भू-उपयोग क्षेत्र में तीन कंपनियों को उद्योग स्थापित करने की स्वीकृति मिली है, जबकि प्रस्तावित औषधि पार्क सेक्टर-6 में दो कंपनियों को शामिल किया गया है।

इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक ढांचे को मजबूती मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद है। बड़े निवेश के साथ रोजगार के अवसर बढ़ने से क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

आईटीएस में विकसित भारत 2047 पर डॉ. अजय आलोक का प्रेरक संबोधन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में संवाद व्याख्यान श्रृंखला के तहत विकसित भारत 2047 विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय, संकाय सदस्य तथा एमबीए, एमसीए और स्नातक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी मौजूद रहे। अर्पित चड्ढा ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, नवाचारी, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त भारत के निर्माण का राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ नवाचार, कौशल विकास, राष्ट्रभावना और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनाने का आह्वान किया। डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, अनुसंधान और उद्यमिता आने वाले समय में देश की विकास यात्रा के प्रमुख आधार होंगे।

डॉ. अजय आलोक ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक नागरिक देश के विकास को अपनी जिम्मेदारी माने। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल बदलाव, बुनियादी ढांचे, आत्मनिर्भरता और

वैश्विक स्तर पर बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं के सामने प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, ज्ञान, कौशल, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ नवाचार तथा उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रोजगार, तकनीकी बदलाव, शिक्षा और उद्यमिता सहित विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. अजय आलोक ने उत्तर दिया। इससे सत्र संवादात्मक और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मनोज कुमार झा ने रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि प्रो. आस्था शुक्ला ने आभार व्यक्त किया।

बिजनौर में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां शुरू, जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण सत्र का किया शुभारंभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिजनौर में जनगणना 2027 के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण सत्र और जनगणना के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। उन्होंने फीता काटकर तथा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनगणना के ऐतिहासिक एवं विधिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि भारत में पहली जनगणना वर्ष 1872 में कराई गई थी। जनगणना अधिनियम 1948 इसके संचालन का कानूनी आधार है। जनगणना 2027 वर्ष 1872 से अब तक देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना होगी।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी, जिसका कार्य 16 नवंबर से शुरू होगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना अधिनियम की विभिन्न धाराओं की जानकारी देते हुए कहा कि जनगणना कार्य से इनकार करना अथवा इसमें बाधा डालना दंडनीय अपराध है। वहीं जनगणना के दौरान नागरिकों से प्राप्त जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने लोगों से जनगणना कर्मियों को सही और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा जिला जनगणना प्रभारी देवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि 16 से 30 नवंबर तक स्व-गणना का कार्य होगा। क्षेत्रीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए 7 से 9 अक्टूबर तथा 14 से 16 अक्टूबर तक चार चरणों में प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए पांच मास्टर प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। प्रशिक्षण में जनगणना प्रक्रिया, प्रपत्रों, दायित्वों और तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी जा रही है।

संपादकीय

सीमापुरी का मलबा सिर्फ एक इमारत नहीं, हमारी शहरी व्यवस्था का आईना है

राजधानी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में बुधवार को बहुमंजिला इमारत के अचानक भरभराकर गिर जाने की घटना ने एक बार फिर उस सवाल को सामने खड़ा कर दिया है, जिसे हर बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों तक पूछा जाता है और फिर भुला दिया जाता है। मलबे में दबे लोगों की तलाश, घायलों को अस्पताल पहुंचाने की जद्दोजहद और अपनों की सलामती के लिए घटनास्थल के बाहर खड़े परिजनों की बेचैनी किसी भी संवेदनशील समाज को झकझोरने के लिए पर्याप्त है। सीमापुरी की घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि राजधानी में भवन ढहने की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। करीब एक महीने पहले सत्य निकेतन में हुए भवन हादसे की स्मृति अभी धुंधली भी नहीं पड़ी थी कि सीमापुरी ने फिर दिल्ली की शहरी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सीमापुरी की इदगाह मछली मंडी के पास एक चार मंजिला इमारत का हिस्सा ढह गया। दिल्ली दमकल सेवा को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सूचना मिली और दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस, दमकल, नागरिक सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। कुछ लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया, जबकि दो से तीन लोगों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में दबे कुछ लोग बचाव दल से बातचीत भी कर पा रहे थे, जिससे उम्मीद बंधी कि समय रहते उन्हें सुरक्षित निकाला जा सकेगा।

इस हादसे की सबसे चिंताजनक तस्वीर उस भवन के आकार से सामने आती है। अधिकारियों के मुताबिक इमारत करीब 225 वर्ग फुट यानी लगभग 25 गज के भूखंड पर बनी थी। इतनी छोटी जगह पर बहुमंजिला निर्माण अपने आप में कई सवाल पैदा करता है। सवाल यह नहीं है कि किसी ने मकान क्यों बनाया, सवाल यह है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा और संरचनात्मक मानकों की निगरानी किस स्तर पर हुई। यदि किसी भवन की नींव, निर्माण सामग्री, भार क्षमता, मंजिलों की संख्या और इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक की सही जांच हो तो हादसे की संभावना काफी कम की जा सकती है। लेकिन जब नियम कागज पर मजबूत और जमीन पर कमजोर हो जाते हैं, तब एक छोटा सा निर्माण स्थल भी बड़े खतरे में बदल सकता है।

यह भी सामने आया है कि स्थानीय लोगों ने इमारत में दरारें आने की बात कही और कुछ लोगों ने मंगलवार रात दिल्ली एनसीआर में महसूस किए गए भूकंपीय झटकों से इसे जोड़कर देखा। लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इमारत गिरने का वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। यही सावधानी जरूरी भी है। किसी प्राकृतिक घटना को तत्काल हादसे का कारण मान लेना आसान है, लेकिन यदि निर्माण में कोई खामी, अतिरिक्त भार, अवैध बदलाव, कमजोर सामग्री या संरचनात्मक कमी थी तो उसकी जांच होना उतना ही जरूरी है। क्योंकि कारण का पता चले बिना अगली इमारत को बचाने की तैयारी नहीं की जा सकती।

सीमापुरी की घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि दिल्ली जैसे महानगर में भवन सुरक्षा को केवल नक्शा पास करने और निर्माण की अनुमति देने तक सीमित क्यों रखा जाता है। पुरानी और घनी आबादी वाले इलाकों में हजारों भवन ऐसे हैं जिनकी वास्तविक स्थिति शायद किसी सरकारी अभिलेख में दर्ज स्थिति से बिल्कुल अलग हो। कहीं अतिरिक्त मंजिलें खड़ी हो गई हैं, कहीं दुकान के ऊपर कमरे बना दिए गए हैं, कहीं पुराने भवन की नींव पर नया भार डाल दिया गया है और कहीं गलियों की चौड़ाई इतनी कम है कि आपदा की स्थिति में दमकल वाहन तक पहुंचना कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति में हादसा होने के बाद राहत पहुंचाना भी उतनी ही बड़ी चुनौती बन जाता है जितना हादसे को रोकना।

~ मौलिक चिंतन ~

गरीबी किसी की अंतिम मंजिल नहीं है और अमीरी सफलता की गारंटी नहीं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस- अक्षरों की उलझन में बच्चे : डिस्लेक्सिया की इनसाइड स्टोरी

दिलीप कुमार पाठक

मान लीजिए, एक सात-आठ साल का बच्चा अपनी कॉपी लेकर बैठा है। आप उसे बी लिखने को कहते हैं, वह डी लिख देता है। आप उसे छह लिखने को बोलते हैं, वह नौ बना देता है। आप दो बार डांटते हैं, तीसरी बार हाथ उठा देते हैं। आपको लगता है कि वह जानबूझकर कर रहा है, उसका मन सिर्फ फोन चलाने या खेलने में है। लेकिन हो सकता है उस बच्चे को आपकी बात समझ ही न आ रही हो? उसे कॉपी के पन्ने पर लिखे शब्द सीधे दिखने के बजाय तैरते हुए या उल्टे दिखाई दे रहे हों? बस इसी उलझन का नाम डिस्लेक्सिया है।

इसे समझने के लिए कोई डॉक्टर बनने की जरूरत नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो हमारा और आपका दिमाग अक्षरों को देखकर तुरंत पहचान लेता है। लेकिन कुछ बच्चों का दिमाग इन अक्षरों को थोड़ा अलग तरीके से देखता है। यह कोई बीमारी नहीं है कि डॉक्टर के पास गए, सिरप पिलाया और बच्चा ठीक हो गया। यह दिमाग की अपनी एक बनावट है जो जन्म से ही ऐसी होती है। बच्चा न तो पागल है, न मंदबुद्धि है और न ही कामचोर। उसका दिमाग बस एक अलग सॉफ्टवेयर पर चल रहा है, जिसे हम जबरदस्ती अपने पुराने ढर्रे पर चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ी है। द डिस्लेक्सिया एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, भारत में करीब 10 से 15 फीसदी बच्चे डिस्लेक्सिया से प्रभावित हैं। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि हर स्कूल की क्लास में औसतन दो से तीन बच्चे इस उलझन से जूझ रहे हैं, लेकिन सही जानकारी न होने के कारण उन्हें सिर्फ कमजोर छात्र मान लिया जाता है। अगर आप माता-पिता या शिक्षक हैं, तो इसके लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। इसके मुख्य लक्षण कुछ इस तरह दिखते हैं। पहला यह कि बच्चा लिखते समय बी और डी या पी और क्यु में हमेशा कन्फ़्यूज रहता है। दूसरा, वह शब्दों को उल्टा पढ़ता है जैसे सॉ को वॉज पढ़ लेना या शब्दों को आगे-पीछे कर देना। तीसरा, वह अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तुलना में बहुत अटक-अटक कर और धीरे पढ़ता है। इसके अलावा ऐसे बच्चे बचपन में देर से बोलना शुरू करते हैं या मिलते-जुलते तुकबंदी वाले शब्दों को समझने में उन्हें परेशानी होती है। कई बार एक साथ दो-तीन काम कह दिए जाएं, तो बच्चा कन्फ़्यूज हो जाता है कि पहले क्या करना है।

अब चूंकि यह दिमाग की कुदरती बनावट है, इसलिए इससे बचाव का कोई मेडिकल तरीका या टीका नहीं आता। लेकिन हां, इसके बुरे असर से बच्चे को जरूर बचाया जा सकता है, जिसे एक्सपर्ट्स अर्ली इंटरवेंशन यानी सही समय पर संभालना कहते हैं। इसका सबसे बड़ा बचाव यह है कि बच्चे की दिक्कत को बचपन में ही पहचान लिया जाए। जब आप उसे डांटने के बजाय थेरेपी, ऑडियो-विजुअल टूल्स जैसे वीडियो या एनिमेशन और छूकर सीखने वाले अक्षरों यानी थ्री-डी खिलौनों से पढ़ाते हैं, तो उसका दिमाग शब्दों को डिकोड करना सीख जाता है।

दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन, एप्पल कंपनी बनाने वाले स्टीव जॉब्स और एक्टर ऋतिक रोशन - इन सबमें एक बात कॉमन थी। इन सबको बचपन में पढ़ने-लिखने में भारी दिक्कत आती थी। लेकिन जब इन्हें सही समय पर समझा गया, तो इन्होंने वो कर दिखाया जो आम लोग सोच भी नहीं सकते। इनका दिमाग आउट ऑफ द बॉक्स सोचता है क्योंकि ये शब्दों में नहीं, बल्कि तस्वीरों में सोचते हैं।

दिक्कत बच्चे में नहीं, हमारे रवैये में है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा पहली क्लास से ही टॉपर बन जाए। अगर कोई बच्चा दाएं-बाएं में कन्फ़्यूज हो रहा है, जूते के फीते नहीं बांध पा रहा, या शब्दों को उल्टा लिख रहा है, तो उस पर चिल्लाने के बजाय उसके साथ बैठिए। उसे थोड़ा ज्यादा वक्त दीजिए। अक्षरों को रेत पर उंगली से बनाकर सिखाइए। उसे डांट से ज्यादा इस बात के भरोसे की जरूरत है कि कोई बात नहीं, तू अपनी रफ़्तार से सीख। हर बच्चा रेस का घोड़ा नहीं होता कि चाबुक मारा और वह दौड़ पड़ा। कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन्हें दौड़ने से ज्यादा उड़ना पसंद होता है। उन्हें बस अपनी उड़ान भरने के लिए थोड़ा सा खुला आसमान और अपनों का साथ चाहिए होता है।

(लेखक स्तंभकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष : आकाश में भारत का अभिमान

योगेश कुमार गोयल

आसमान में गूंजता भारत का पराक्रम...

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गाथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुवीरों के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय कराते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला न केवल दर्शकों को रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अभेद्य है। सारंग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है।

वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पराक्रम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' ने ऊंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अदम्य जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे घातक फाइटर जेट्स हैं। सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिनूक और अपाचे जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान न केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन की रीढ़ के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हौंसले भारतीय वायुसेना के सामने पस्त हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही है, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़ाकू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्टरों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती। भारत ने तकनीकी सटीकता, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से यह साबित किया है कि गुणवत्ता संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में यह सिद्ध हो चुका है कि केवल संख्या नहीं बल्कि रणनीति और मनोबल ही विजय सुनिश्चित करते हैं।

इतिहास की बात करें तो भारतीय वायुसेना की नींव ब्रिटिश शासनकाल में रखी गई थी। 8 अक्तूबर 1932 को 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसकी भूमिका अहम रही। उस समय यह सेना ब्रिटिश आर्मी के अधीन थी। स्वतंत्रता के बाद 1950 में इसे 'इंडियन एयरफोर्स' नाम मिला और इसकी पहचान स्वतंत्र सैन्य शाखा के रूप में बनी। सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट पहले चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने और बाद में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी पहले भारतीय प्रमुख बने। उस दौर में मात्र कुछ विमान और सीमित संसाधन थे लेकिन आज वायुसेना के पास आधुनिकतम हथियार, विमानों का विशाल बेड़ा और मजबूत संरचना है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं बल्कि दृष्टिकोण का है। भारतीय वायुसेना का एक बड़ा उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना भी है। एयर शो और शक्ति प्रदर्शन केवल दुश्मनों के लिए संदेश नहीं होते बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने का उत्साह भी देते हैं। वायुसेना का जीवन अनुशासन, साहस और देशभक्ति का संगम है और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल कैरियर के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा के लिए भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तब उसकी सुरक्षा संरचना का मजबूत होना अनिवार्य है। भूमि, जल और आकाश तीनों पर समान अधिकार के लिए वायुसेना की भूमिका सबसे अधिक संवेदनशील और निर्णायक है क्योंकि युद्ध अब केवल धरती पर नहीं बल्कि आकाश में जीते जाते हैं। आधुनिक युग में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। ड्रोन युद्ध, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों का महत्व बढ़ गया है। भारतीय वायुसेना इन नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही है।

भारत की वायु शक्ति केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करती है। विश्व राजनीति में आज जो नए समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत की वायुसेना की शक्ति मित्र देशों के लिए भरोसे का प्रतीक और विरोधियों के लिए भय का कारण है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। भारतीय वायुसेना दिवस हमें केवल गौरव की याद नहीं दिलाता बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों की ओर भी संकेत करता है। वायुसेना को लगातार अपने बेड़े को आधुनिक करना होगा, अधिक स्वदेशी तकनीक अपनानी होगी और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को मजबूत करना होगा। यही आने वाले दशकों में हमारी सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता की गारंटी होगी।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ

प्रहलाद सबनानी

अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहिले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैंकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूस से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है।

प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएंगे तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। (प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

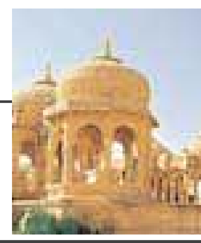

सुनहरी आभा का जैसलमेर

राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल में बसे इस खूबसूरत शहर के किले, प्राचीन मंदिरों और रेत पर ऊंट की सवारी का लुत्फ लेने के लिए अब तमाम साधन उपलब्ध हैं। देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार जैसलमेर को रेतीली जमीन पर बसा होने के कारण पहले मेरू नाम से जाना जाता था। सन 1156 में जैसलमेर की स्थापना भाटी राजा जैसल ने की थी और 12 साल तक यहां शासन किया।

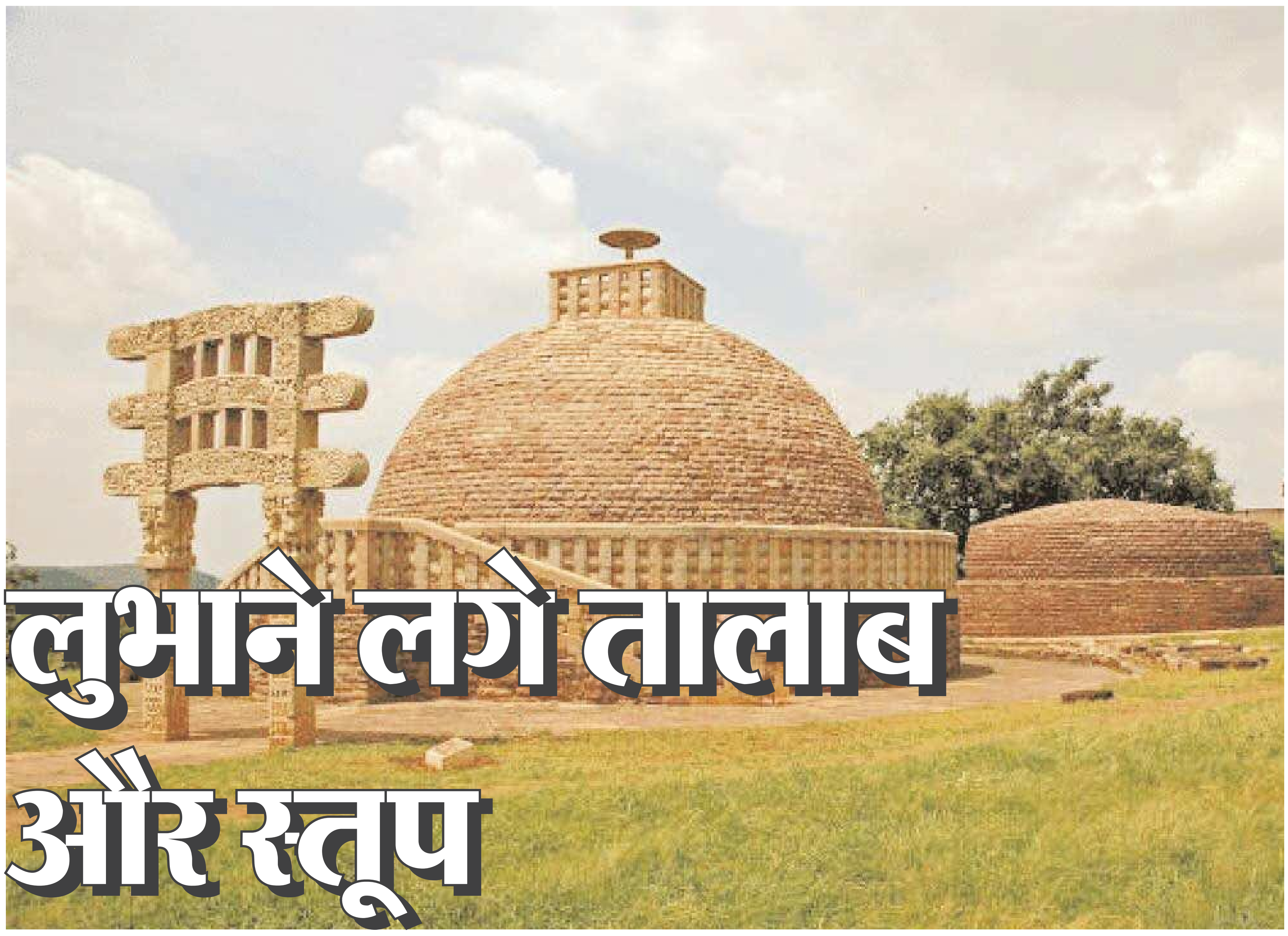

लुभाने लगे तालाब और स्तूप

मध्य प्रदेश के प्राचीन धरोहरों की तरफ पूरी दुनिया के पर्यटक मानो खिंचे चले आ रहे हैं। बिहार के बौद्ध सर्किट की तरह ही मध्य प्रदेश भी विश्व पर्यटन पर अपना अमिट अक्स छोड़ने लगा है। भोपाल की गैस त्रासदी दिल दहलाने वाली जरूर है लेकिन इस शहर का एक दूसरा रूप भी है जो मन और आंखों को मोहने वाला है। तालाबों के शहर भोपाल की गंगा जमुनी संस्कृति आधुनिकता का आवरण पहने सैलानियों के मन प्राण पर छा रही है। भोपाल ही नहीं खजुराहो और मांडू जैसे पर्यटन क्षेत्र भी पर्यटकों के जमघट के गवाह बन रहे हैं। प्राचीन धरोहरों से समृद्ध यह प्रदेश आधुनिकता के हाईवे पर भी किसी से पीछे नहीं है। राजधानी भोपाल को नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व मॉल जैसे आधुनिक रूपों ने भी सजाया है। अरेरा और शामला हिल्स स्थित रेस्तरां, म्यूजियम और होटल सैलानियों के लिए खासे चर्चित हो रहे हैं। %भोपाल ब्यूटी% के नाम से चर्चित ऊपरी तालाब में स्पीडबोटों में आनंद की अठखेलियों में डूबते-उतराते धनी लोग एक अनोखा दृश्य उपस्थित करते हैं। तालाबों के उत्तर में पुराना शहर है। भोपाल से 46 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गोलाई लिए एक पहाड़ी का अभ्युदय हुआ है, जिसे सांची के नाम से जाना जाता है। इस पहाड़ी पर भारत के कुछ अति प्राचीन बौद्ध स्थल बने हुए हैं। सांची का बौद्ध स्तूप अपनी गरिमा और ऐतिहासिकता के साथ मध्य प्रदेश की गरिमा में चार चांद लगा रहा है। कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध मौर्य सम्राट अशोक ने स्तूप बनाने के लिए अपनी पत्नी के जन्म स्थान के पास इस जगह को चुना।बुर्जों से सजा यह स्थल धार्मिक अवशेषों का संग्रह करने के लिए बनाया गया था। इस इलाके में यह पहला बौद्ध स्मारक है। अल सुबह और शाम इन स्तूपों की छटा में जो निखार आता है, उसे देख कर ही महसूस किया जा सकता है। सांची के आसपास सोनारी, सतधारा, अंधेर, गिरासपुर जैसे बौद्ध स्थल बिखरे पड़े हैं। सांची से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व बेतवा और बेस नदियों से सिंचित विदिशा ईशा पूर्व 5वीं और 6ठी शताब्दी में वाणिज्य का एक बड़ा केंद्र था। विदिशा भी पर्यटकों के लिए प्राचीन धरोहरों का एक अप्रतिम स्थल साबित होता है। इस सरजमीं के इतिहास को सम्राट अशोक, सिंधिया और मुगलों के आगमन ने समृद्ध किया है। खजानों के देवता कुबेर यक्ष की पत्थर की तीन मीटर ऊंची प्राचीन मूर्ति पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र बन रही है। वहाँ के अन्य प्राचीन आकर्षणों में प्रेम आलिंगन में बद्ध 11वीं सदी में ढली साँप दंपत्ति, हनुमान एवं प्रेम के देवता कामदेव की मूर्तियाँ शामिल हैं। खजुराहो मंदिर यूनेस्को की विश्व-विरासत की सूची में शामिल है। विश्व पर्यटन के मानचित्र में खजुराहो का नाम प्रमुखता से उभर रहा है। खुजराहो कामशास्त्र पर आधारित मूर्तियों का समूह है। यह परिसर चंदेल वंश के राजाओं के समय 950 ई. से 1050 ई. के बीच बना था, जिसमें 85 मंदिर थे, हालाँकि अब सिर्फ 22 मंदिर ही बचे हैं। इनके अलावा यहाँ सिर्फ कंदरिया महादेव का मंदिर ही बचा है। यह मंदिर पाँच मुख्य वर्गों में विभाजित है, जिनमें तीन वर्ग छोटे मंदिरों के हैं। मंडप में प्रवेश करने पर सभाकक्ष पड़ता है, फिर एक गलियारा पार करने पर मंदिर का गर्भगृह मिलता है, जहाँ प्रतिमा स्थापित है। ऊँचे चबूतरे पर स्थित इन मंदिरों में कुछ बड़े, कुछ छोटे मंदिर हैं।

आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा

भारत में प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में सबसे प्रथम स्थल है आनंदपुर साहिब का गुरुद्वारा। सिख धर्म के लोग में यह गुरुद्वारा जागृत है। मान्यता है कि इस गुरुद्वारे में मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की मुराद पूरी होती है। यह गुरुद्वारा पंजाब के उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में चंडीगढ़ से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सन् 1664 में श्री गुरु तेग बहादुर ने माक्होवाल के प्राचीन क्षेत्र में आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा बनवाया था। गुरु गोबिंद सिंह ने इस स्थल पर 25 साल आनंदपुर में व्यतीत किया है। सन् 1936 -1944 में तख्त केसरगढ़ साहिब बनाया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि तख्त साहिब में प्राचीन शस्त्र पाए गए हैं। तख्त साहिब के वास्तुशिल्प में एक बड़ा भवन निर्मित किया है एवं इमारत के सामने एक खूबसूरत वाटिका है। गुरुद्वारा के दर्शन करने भटिंडा से लेकर बर्मिंघम के निवासी इस स्थल के दर्शन करने आते हैं। मार्च के महीने में होला मोहल्ला एवं बैसाख के महीने में कई लोग इस त्योहार को मनाते हैं। अप्रैल महीने में बैसाख का त्योहार धूमधाम एवं खुशियों से मनाया जाता है। होला मोहल्ला त्योहार दसवें गुरु गोबिंद सिंहजी ने मनाया है। हजारों श्रद्धालु यहाँ एकत्र होते हैं। रंगबिरंगे गुलाल के खेल में मन भाव विभोर हो जाता है। सन् 1999 में मनाया गया बैसाख पर खालसा पंथ के 300 साल पूरे हुए। पंजाब के प्रसिद्ध नृत्य-संगीत से त्योहार का प्रारम्भ होता है।

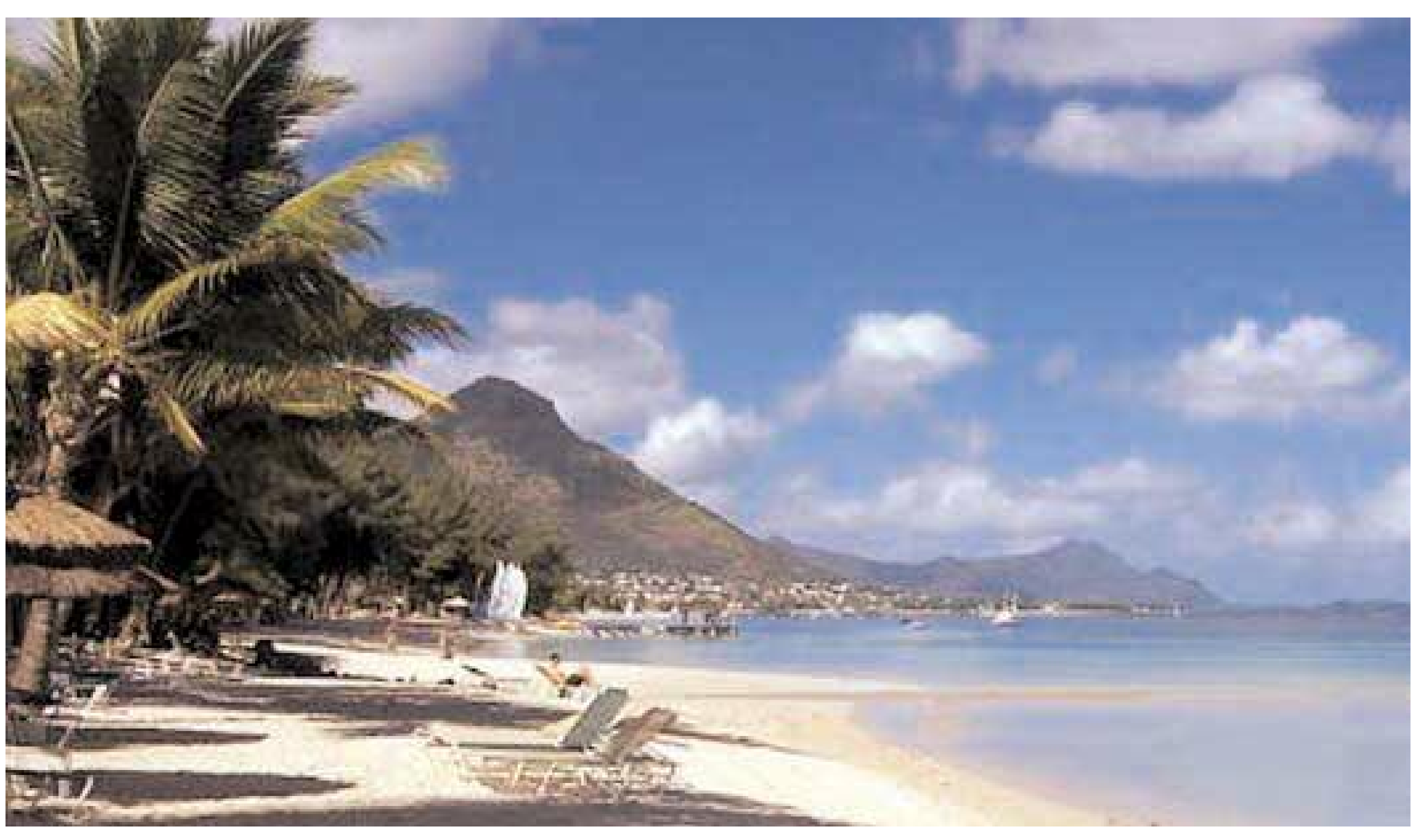

धरती का स्वर्ग है मॉरीशस

मॉरीशस के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर ऐसा लगता है मानो धरती से स्वर्ग में आ गए हों। मॉरीशस की मुद्रा रुपी है परन्तु यूरोप के पर्यटकों के लिए वस्तुओं की कीमत यूरो में होगी। इस द्वीप में सफर करने केलिए मई से दिसंबर तक का समय उपयुक्त है। इस क्षेत्र की प्रमुख भाषा क्रियोल है। अन्य भाषाएँ जो यहाँ प्रचलित हैं, वे है अँग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, क्रियोल।

पोर्ट लुईस मॉरीशस की राजधानी है। अन्य मुख्य शहर हैं मोका, क्योरपाइप, वाकोस, फोइनिक्स, क्वाटरे बोर्नस, रोस हिल, बिउ बासिन। मॉरीशस का क्षेत्रफल 330 वर्ग किलोमीटर है तथा आसपास समुद्री किनारे हैं। समुद्र के किनारे कोरल रीफ(समुद्र के पास पाया जाने वाला एक विशेष पौधा) से घिरे हुए हैं। समुद्र के किनारे मनोरंजन की सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विभिन्न प्रकार की जलीय क्रीड़ाएँ खेल पर्यटकों के मध्य लोकप्रिय हैं जैसे वाटर सर्फिंग, वाटर स्कीइंग, पैरासेलिंग, सबमैरीन डाइव, जल स्कूटर, राइडिंग, ट्यूब राइडिंग, वोट सेलिंग आदि। पोर्ट लुईस एक प्रमुख व्यापारिक तथा पर्यटक स्थल है। इस शहर में घूमने के लिए आप बाल्टर बीच(पुल) पर टहल सकते हैं। इस बीच का प्राकृतिक सौन्दर्य मनभावन है। थोड़ी ही दूर में वालंटियर प्वाइंट पर्यटक स्थल है। मॉरीशस में मोका एक प्रमुख शहर है। यहाँ पर आप महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट देख सकते हैं।

रोस हिल - इस शहर में खरीदारी के लिए माल्स, अरब टाउन मार्केट तथा टाउन सेंटर बाज़ार प्रसिद्ध हैं।

क्योरपाइप - यह शहर शॉपिंग तथा भारतीय वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध है। बॉटनिकल गार्डन्स तथा ट्राउ और सर्फस क्रेटर अब पर्यटक स्थल के रूप में लोकप्रिय हैं।

माहेबर्ग में नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम एक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है। यहाँ पर नाट्री डेम देस एंगेस (चर्च) प्रसिद्ध स्थल है। मॉरीशस में हस्तशिल्प बहुत ही प्रसिद्ध है। यह कला काफी सालों से चलती आ रही है।

पैंपलमाउसेस - यहाँ का शुगर एडवेंचर म्यूज़ियम बहुत ही मशहूर है। इस म्यूज़ियम में मॉरीशस के सांस्कृतिक तथा साहित्यिक जानकारियाँ उपलब्ध हैं।

कासेला बर्ड पार्क - ब्लैक नदी के पास स्थित यह पार्क 20 किलोमीटर जमीन पर स्थित है।

लोकेशन

पांच केदारों में प्रमुख है मदमहेश्वर

पिछले साल मेरा कार्यक्रम मदमहेश्वर जाने का बना। मध्य नवंबर तक यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ और कल्पेश्वर के कपाट बंद हो चुके थे। बस बद्रीनाथ और मदमहेश्वर के कपाट खुले थे। मैं निकला तो बद्रीनाथ के लिए ही था लेकिन रुद्रप्रयाग पहुंचकर बुद्धि फिरी और मदमहेश्वर जाने लगा। वहां जाने के लिए रुद्रप्रयाग जिले में ऊखीमठ तक जाना होता है। रुद्रप्रयाग से बसें और जीपें मिलती हैं। ऊखीमठ में मुख्य बाजार से सीधा रास्ता उनियाना जाता है जो आजकल मदमहेश्वर यात्रा का आधार स्थल है। मैं शाम तक उनियाना पहुंच गया था। यहां से मदमहेश्वर की दूरी 23 किलोमीटर है जो पैदल नापी जाती है। यूं तो मैं कभी अपनी यात्राओं में गाइड का सहारा नहीं लेता हूं लेकिन इस बार लेना पड गया। चार सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से तय किया था और आने-जाने का तीन दिन का हिसाब था। वैसे रास्ता इतना बढिया है कि गाइड की जरूरत ना पडे। वैसे कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पहाड के सफर में कोई स्थानीय जानकार होना अच्छा रहता है। खास तौर पर किसी मुश्किल या प्राकृतिक संकट के वक्त गाइड खासे काम आते हैं। अगले दिन सुबह उनियाना से चलकर तीन किलोमीटर आगे रांसी गांव पहुंचे। कुछ साल पहले तक यह यात्रा मनसूना से शुरू होती थी। मनसूना ऊखीमठ और उनियाना के बीच में है। तब यात्री पैदल ही मनसूना से उनियाना तक पहुंचते थे। अब उनियाना तक तो सडक पहुंच गई है, आगे भी जाएगी। रांसी के लिए भी सडक मार्ग पर बस एक पुल बनना बाकी है, सडक बन चुकी है। जिस दिन पुल चालू हुआ, गाडियां उनियाना के बजाय रांसी तक जाया करेंगी। इस तरह पैदल चलने का रास्ता और कम हो जाएगा। वैसे भी रांसी उनियाना के मुकाबले ज्यादा समृद्ध और बडा गांव है। यहां राकेश्वरी देवी का एक प्राचीन मंदिर भी है। रांसी से हल्की सी चढाई के बाद सामने दिखाई देता है गौण्डार गांव। गौण्डार तक सीधा ढलान है। घने जंगलों से होकर वहां तक पगडंडियां जाती हैं। यह इस घाटी का आखिरी गांव है। रांसी और गौण्डार के बीच में जो जंगल है, उसमें कई झरने भी हैं। दोपहर तक हम गौण्डार पहुंच गए। वहीं खाना खाया। उनियाना से अभी तक तो रास्ता कुल मिलाकर चढाई भरा था लेकिन इतनी तेज चढाई नहीं थी। असली चढाई शुरू होती है गौण्डार से एक खड्ड को पार कर लेने के बाद। खड्ड के बाद सबसे पहले आती है बनतोली चट्टी। यहां रुकने का ठीकठाक इंतजाम है। यहां से चौखंभा चोटी के भी दर्शन होते हैं। वैसे तो चौखंभा उनियाना से निकलते ही दिखाई देने लगती है लेकिन बनतोली में उसे नजदीक से देखना रोमांचक है। गौण्डार से करीब डेढ किलोमीटर आगे आती है- खटरा चट्टी।

करें आर्कटिक की सैर

सभी के मन में उत्सुकता रहती है कि आर्कटिक में कितनी ठंड होगी, कितनी बर्फ गिरती होगी, लोग कैसे रहते होंगे, वे क्या करते होंगे, क्या खाते होंगे, क्या पैदावार होती होगी आदि-आदि। इन्हीं जिज्ञासाओं के समाधान के लिए हमने वहाँ की यात्रा करने का निश्चय किया। सेलिब्रिटी क्रूजेज की यह यात्रा बारह दिनों की थी तथा एम्सटरडम (नीदरलैंड) से शुरू हुई। यात्रा सेन्चुरी जहाज से शुरू हुई। यह जहाज चौदह मंजिला है। यह यात्रा नार्वे के समुद्र तट के साथ चलते हुए आर्कटिक सर्कल को पार करते हुए नॉर्थ केप पहुँची। समुद्र किनारे पर सैकड़ों स्थानों पर समुद्र पृथ्वी के अंदर तक पहुँच जाता है। कहीं-कहीं तो यह मीलों तक होता है। ये रास्ते ऊँचे पहाड़ों से भारी ग्लेशियरों के तेज प्रवाह के कारण सैकड़ों वर्षों से बनते आ रहे हैं। इन्हें फ्यूर्ड कहते हैं। इन फ्यूर्ड्स में गिरेन्गर फ्यूर्ड, हारडेन्गर फ्यूर्ड, नार्ड फ्यूर्ड तथा सोगने फ्यूर्ड काफी बड़े एवं दर्शनीय हैं। तीसरे दिन सुबह एलसंड पहुँचे। नार्वे के उत्तर-पश्चिम समुद्र तट पर बसा यह शहर इस देश का सबसे बड़ा मछली उत्पादक स्थान है। यहाँ सन्तमोर म्यूजियम, मार्बल चर्च, अटलांटिक सी पार्क दर्शनीय स्थल हैं। दिनभर यहाँ सैर करने के पश्चात शाम को जहाज आगे की यात्रा के लिए चल दिया। अगले दिन हम लोग समुद्र में ही रहे।

विश्व निवेशक सप्ताह शुरू, अपने भविष्य में निवेश करें, आज ही इसे सुरक्षित करें

अभियान निवेश समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का दे रहा संदेश

नई दिल्ली।

निवेशकों को बाजार और निवेश से जुड़े फैसले समझदारी से लेने के लिए जागरूक करने वाला विश्व निवेशक सप्ताह 5 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सिक्योरिटीज कमीशंस (आईओएसको) की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान सेबी और एएमएफआई के नेतृत्व में चल रहा है। इस साल अभियान का संदेश अपने भविष्य में निवेश करें। आज ही इसे सुरक्षित करें है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरूकता और भरोसे के साथ निवेश करने में मदद करना है। म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए यह पहल खास है, क्योंकि किसी फंड में निवेश से पहले उसके उद्देश्य, जोखिम, लागत और रणनीति को समझना जरूरी है। बाजार के उतार-चढ़ाव में सिर्फ पिछले रिटर्न देखकर फैसला लेने के बजाय निवेशक को यह देखना चाहिए कि योजना उसके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। इस साल विश्व निवेशक सप्ताह के प्रमुख विषयों में निवेशक लचीलापन, डिजिटल धोखाधड़ी और ठगी से बचाव शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश की बुनियादी बातों और युवा निवेशकों पर भी जोर दिया जा रहा है। सेबी अपनी वेबसाइट पर फर्जी ट्रेडिंग ऐप और स्टॉक मार्केट गुरु के नाम पर होने वाले स्कैम जैसी धोखाधड़ी से बचने की चेतावनी दे रहा है और निवेशकों को केवल सेबी की निगरानी वाले उत्पादों को चुनने की सलाह देता है। समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल पहल के तहत युवाओं को समझने के बाद निवेश करने, विनियमित उत्पाद चुनने, जल्दी शुरुआत करने और निवेश को बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यह अभियान सिर्फ निवेश शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का संदेश दे रहा है।

रेपो रेट बढ़ने से ईएमआई होगी महंगी, एफडी कराने वालों को होगा फायदा

जमाकर्ताओं को बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 5 अक्टूबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक चली इस बैठक में पश्चिम एशिया में तनाव से महंगाई के जोखिम, कच्चे तेल और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे फैक्टर्स पर फोकस रहा। आरबीआई ने इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ाई थी। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट (0.25फीसदी) बढ़ाकर 6.50फीसदी के स्तर पर ला दिया था। इसके बाद से दिसंबर 2024 तक रेपो रेट को इसी उच्चतम स्तर पर स्थिर रखा गया था। 2025 में हालात थोड़े सुधरने पर केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल चार बार 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की, जिससे यह घटकर 5.25फीसदी पर आ गया। दिसंबर 2025 के बाद से अब तक यानी करीब 10 महीनों तक रेपो रेट को इसी स्तर पर रखने के बाद अब रिजर्व बैंक ने इसमें बढ़ोतरी की है। रेपो रेट बढ़ने से बैंक लोन महंगे हो जाते हैं क्योंकि रेपो रेट वह रेट होता है, जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। अब बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से लोन लेना महंगा होगा, तो उनके लिए फंड की लागत बढ़ जाएगी। इसके चलते बैंक होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देंगे। ब्याज दरें बढ़ेंगी, तो ईएमआई पर पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च होगा। भले ही रेपो रेट बढ़ने से आपकी हर महीने जाने वाली ईएमआई महंगी हो जाएगी, लेकिन इसके कुछ फायदे भी हैं। दरअसल, रेपो रेट बढ़ने से बैंकों में एफडी कराने वाले ग्राहकों को फायदा होगा। इससे जमाकर्ताओं को अपनी बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी।

आईपीओ में 46,712 करोड़ रुपये का निवेश

-39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने में खर्च हो रही

मुंबई ।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कंपनियां जुटाई गई रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में खर्च कर रही हैं। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में कंपनियों ने नए शेयर जारी कर 46,712 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें से करीब 18,068 करोड़ रुपये यानी 39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने के लिए रखी गई। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सा 32 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक, क्षमता बढ़ाने, नए प्रोजेक्ट और मशीनरी पर खर्च होने वाली राशि 8,857 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,418 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, अधिग्रहण और रणनीतिक निवेश पर खर्च 534 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,436 करोड़ रुपये पहुंच गया। दूसरी ओर, पूंजी मजबूत करने और बैंकिंग लागत में भी बदलाव देखने को मिला। रोजमर्रा के खर्च के लिए रखी गई रकम 7,534 करोड़ रुपये से घटकर 4,521 करोड़ रुपये रह गई। ब्रांड और विज्ञापन पर खर्च भी 471 करोड़ से घटकर 341 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 429 अंक, निफ्टी भी 173 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इस गिरावट का एक बड़ा कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी करना भी रहा। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिससे बाजार में बिकवाली शुरु हो गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 429.11 अंक टूटकर 72,638.70 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 173.05 अंक फिसलकर 22,603.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली के कारण तकरीबन 2251 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1928 शेयरों में बढ़त आई। वहीं 192 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में टाइटन कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएस डब्लयू स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, जिन्होंने निवेशकों को निराश किया। वहीं, कुछे शेयर ऐसे भी थे जिन्होंने इस माहौल में भी अपनी बढ़त बनाए रखी, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसई लिमिटेड, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और कोल इंडिया शामिल थे। वहीं सेक्टरों की बात करें तो, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़कर लगभग सभी

प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स, के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन, धातु और रियल्टी सेक्टरों में 1-2 फीसदी की भारी गिरावट रही, जो दिखाती है कि व्यापक आर्थिक चिंताओं से सभी प्रभावित हुए हैं। आज बाजार गिरावट का सबसे अहम कारण आरबीबाई द्वारा रेपो दर में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी रही। जिससे यह दर फरवरी 2023 के बाद पहली बार बढ़ी है।

यह बढ़ोतरी तब हुई है जब बाजार विश्लेषक और निवेशक दोनों मुद्रास्फीति के दबावों पर केंद्रीय बैंक की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे।

इलेक्ट्रिक बाइक रजिस्ट्रेशन में नंबर-1 बनी ओबेन इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

सितंबर 2026 में बेंगलुरु स्थित ओबेन इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के रजिस्ट्रेशन के मामले में सभी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए कंपनी ने पहला स्थान हासिल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओबेन ने पिछले महीने कुल 1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का पंजीकरण दर्ज किया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और बाजार में मजबूत पकड़ का प्रमाण है। ओबेन इलेक्ट्रिक के लिए यह रिकॉर्ड बिक्री उसकी नई रॉर ईवो ईवी बाइक की शानदार प्रतिक्रिया का परिणाम है। आकर्षक डिजाइन, दमदार प्रदर्शन और रोजमर्रा के उपयोग में सुगमता के कारण इस बाइक को ग्राहकों से जबरदस्त सराहना मिली है।

कंपनी ने हाल ही में अपनी बेंगलुरु स्थित फैक्ट्री से 10,000वीं इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी तैयार की है, जो उसके उत्पादन क्षमता और मांग को दर्शाती है। सितंबर के आंकड़ों में ओबेन के बाद, रिवोल्ट इंटेलिजेंस 1,027 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने 536 रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मैटर मोटर वर्क्स 69 रजिस्ट्रेशन के साथ चौथे और रैप्टी एनर्जी 17 रजिस्ट्रेशन के साथ पांचवें स्थान पर रही। ओबेन के अनुसार, उसके 18 राज्यों और 90 से अधिक शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम और ओबेन केयर सर्विस सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत हर शहर में अलग-अलग होती हैं

करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट खर्च और टैक्स जैसे कारकों का पड़ता है असर

नई दिल्ली।

भारत में खाना पकाने के लिए एलपीजी सिलेंडर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है इसलिए इसकी कीमतों में घट-बढ़ का असर सीधे रसोई के बजट पर पड़ता है, जहां आम उपभोक्ताओं की नजर घरेलू सिलेंडर के रेट पर रहती है। वहीं, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे और कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल एलपीजी कीमतों पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि यह उनके रोज के खर्च का एक नियमित हिस्सा है।

पूरे भारत में एलपीजी की कीमतें एक जैसी नहीं होती हैं। घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग हो सकती है। बुधवार को जारी रेट के मुताबिक दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपए है। एलपीजी सिलेंडर की रिटेल कीमतों पर करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट का खर्च और लागू टैक्स जैसे कई कारकों का असर पड़ता है। राज्य सरकारें एलपीजी सिलेंडर पर अपने हिसाब से वैल्यू एडेड टैक्स और स्थानीय कर लगाती हैं, चूंकि हर राज्य में टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं इसलिए राज्यों की सीमाओं के पार होते ही सिलेंडर की कीमतें भी बदल जाती हैं। गैस सिलेंडर रिफाइनरी या एलपीजी बॉटलिंग प्लांट से आपके शहर के डिस्ट्रीब्यूटर तक ट्रकों या ट्रेनों के जरिए पहुंचाए जाते हैं। ऐसे में प्लांट से जिस शहर की दूरी जितनी ज्यादा होगी, भाड़ा उतना ही ज्यादा लगेगा। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों पर डीलर के कमीशन का भी असर पड़ता है।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी रौनक-एचएसबीसी

नई दिल्ली ।

वैश्विक वित्तीय सेवा प्रदाता एचएसबीसी का मानना है कि सोने की कीमतों पर फिलहाल दबाव बना रहेगा, लेकिन 2027 तक इसमें फिर तेजी लौट सकती है। हालांकि, यह चमक तुरंत दिखने की उम्मीद नहीं है। इस साल 2026 में सोने ने 5,450 डालर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद 3,942 डालर प्रति औंस तक की गिरावट देखी, जो बाजार में बड़ी अस्थिरता को दिखाती है।

मामले से जुड़े जानकार के अनुसार, ऊंचे कच्चे तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका ने सोने के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इन चुनौतियों के चलते बैंक ने अपने शॉर्ट टर्म गोल्ड प्राइस अनुमान में कटौती की है। जानकार बताते हैं कि 2027 में सोने की चाल काफी हद तक अमेरिकी ब्याज दरों पर निर्भर करेगी, यदि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बाजार की मौजूदा उम्मीद से कम दरें बढ़ाता है, तब सोने को फिर से मजबूती मिल सकती है। सोने की कीमतों को केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद से बड़ा सहारा मिल रहा है, जो अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश में विविधता लाना और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव करना है। इसके अतिरिक्त, भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में वित्तीय संस्थानों के लिए सोना खरीदने के नियमों में हुए बदलाव भी बड़ी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर उस समय में जब प्रॉपर्टी और शेयर बाजार कमजोर चल रहे

हैं। यह अनुमान लगा रहा है कि ऊंची कीमतों और घरेलू बजट पर दबाव के कारण प्रभावित हुई सोने की फिजिकल डिमांड अब अपने निचले स्तर के करीब पहुंच सकती है। हालांकि, सोने की सप्लाई में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना कम है। 2026 और 2027 में खदान उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन नई खदानों और परियोजनाओं को शुरू करने में आने वाली चुनौतियों के कारण यह वृद्धि सीमित रहने की उम्मीद है। ऊंची कीमतों के बावजूद, रिसाइक्लिंग भी अभी उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी उम्मीद की जा रही थी। आने वाले महीनों में डॉलर, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी ब्याज दरें सोने के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी रह सकती हैं, जो इसकी चाल को प्रभावित करती रहेंगी।

चांदी का बाजार-2027 में आपूर्ति अधिक, निवेश पर संशय

मुंबई ।

इस साल 2026 में चांदी की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जहां वर्ष की शुरुआत में चांदी 4 लाख प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, वहीं अब यह अपने उच्चतम स्तर से करीब 40 फीसदी गिरकर 2.20 से ₹2.30 लाख प्रति किलोग्राम के आसपास बनी हुई है। वैश्विक बाजार में भी, जो जनवरी में 121 डालर प्रति औंस था, अब यह 60 से 65 डालर प्रति औंस के बीच सिमट गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल 2027 में चांदी सरप्लस हो सकती है, जिसका अर्थ है कि इसकी मांग की तुलना में उत्पादन कहीं अधिक होगा। यह स्थिति वर्षों से चली आ रही चांदी की कमी की स्थिति को समाप्त कर देगी। सोने के विपरीत, चांदी की अधिकांश मांग औद्योगिक क्षेत्रों से आती है, जैसे कि ई-वाहन निर्माण, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर उद्योग। हालांकि, हाल के दिनों में इन प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में चांदी की मांग में सुस्ती देखी गई है। विशेष रूप से, दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा बाजार चीन में चांदी की मांग में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही, खदानों से चांदी का उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है, जो 2027 में आपूर्ति की अधिकता को बढ़ावा देगा। कमोडिटी एक्सपर्ट के अनुसार, चांदी की कीमतों में यह अस्थिरता अगले साल 2027 में भी जारी रहने की संभावना है। बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति के चलते वैश्विक स्तर पर इसके भाव में बड़ी वृद्धि की उम्मीद कम है। इसलिए, यदि कोई निवेशक 2026 में चांदी में निवेश की योजना बना रहा है, तो 2027 में उसे बहुत अधिक रिटर्न मिलने की संभावना कम रहेगी। निवेशकों को चांदी में निवेश करते समय इन सभी कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की सलाह दी जाती है।

जयपुर में सीएनजी और पीएनजी महंगी हुई

जयपुर ।

जयपुर में बुधवार से कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप वाली नेचुरल गैस (पीएनजी) दोनों की कीमतें 2 रुपये प्रति इकाई बढ़ी हैं। इस बढ़ोतरी के बाद, जयपुर में ष्टहृत्र की कीमत अब 97.50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 99.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि रसोई गैस के रूप में इस्तेमाल होने वाली क्क्हृत्र अब 51.50 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़कर करों सहित 53.50 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर हो गयी है। यह नई दरें आज से ही प्रभावी हुई हैं। गौरतलब है कि ये पहली बार नहीं है जब टोरेंट गैस ने शहर में गैस की कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले इसी साल मई के महीने में भी सीएनज और पीएनजी के दाम बढ़ाए गए थे। इस बार की 2 रुपये की बढ़ोतरी के साथ, कंपनी ने कम समय में दूसरी बार गैस की कीमतों में वृद्धि की है, जिससे उपभोक्ताओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। गैस की कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर जयपुर के हजारों घरों पर पड़ेगा जो खाना पकाने के लिए पीएनजी का इस्तेमाल करते हैं। वहीं उन निजी वाहनों के मालिकों के लिए भी यह खबर चिंताजनक है। जिन लोगों के पास सीएनजी से चलने वाली गाड़ियां हैं, उन्हें अब ईंधन के लिए प्रति किलो 2 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

बैंक एसडी पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता

हाई कोर्ट ने कहा- बैंक के पास ब्याज कम करने का वैध कारण होना जरूरी

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लेकर एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अगर किसी एफडी को कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है, तो बैंक उस पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि बैंक के पास ब्याज कम करने के लिए कोई वैध कारण होना जरूरी है। यह मामला हीरो एक्सपोर्ट्स और टिफिन्स बैरीट्स, एस्बेस्टोस एंड पेंट्स लिमिटेड के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा था, जिसमें कोर्ट के आदेश पर 5.89 करोड़ रुपए की एफडी नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी में बनाई गई थी।

शुरुआत में इस एफडी पर 7.75फीसदी से 8.25फीसदी तक ब्याज मिलता रहा, लेकिन 30 जनवरी 2018 से बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.5फीसदी कर दी। हीरो एक्सपोर्ट्स ने इस कटौती का विरोध किया और मामला कोर्ट पहुंच गया।

मई 2019 में, हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने बैंक को पूरी रकम हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने और 30 जनवरी 2018 से मिलने वाले ब्याज की गणना पिछले तीन साल में लागू रही औसत ब्याज दर के आधार पर करने का आदेश दिया।

नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी ने इस फैसले को चुनौती दी और तर्क दिया कि आरबीआई नियमों के तहत कमर्शियल बैंकों को घरेलू टर्म डिपॉजिट की ब्याज दर तय करने की आजादी है। बैंक ने यह भी कहा कि एफडी की अवधि पूरी होने और उसे दोबारा न बढ़ाने पर उस रकम पर सेविंग अकाउंट की ब्याज दर मिल सकती है। हालांकि, जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस शैल जैन की बेंच ने बैंक की इन दलीलों को नहीं माना और नैटवेस्ट की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने बैंक को 5.89 करोड़ रुपए की एफडी पर ज्यादा ब्याज देने का निर्देश दिया, जिससे बैंकों की मनमानी पर लगाम लग लगी।

भारत में सितंबर में ऑटो रिटेल बिक्री 31.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25.37 लाख

मुंबई ।

त्यौहारी मांग और बीते साल के कम आधार के चलते सितंबर में भारत की ऑटोमोबाइल रिटेल बिक्री में जोरदार उछाल दर्ज हुआ है।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,36,920 इकाई पहुंच गई। अगस्त की तुलना में भी बिक्री में 4.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

फाडा ने कहा कि सितंबर उद्योग के लिए अब तक का सबसे बेहतर महीना रहा। हालांकि, सालाना वृद्धि को सितंबर 2025 के कम आधार के संदर्भ में देखना चाहिए। बीते साल जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले ग्राहकों ने खरीदारी टाल दी थी, जिससे बिक्री प्रभावित हुई थी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कुल ऑटो रिटेल बिक्री 1,55,12,319 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 20.77 प्रतिशत अधिक है। श्रेणीवार आंकड़ों में दोपहिया वाहनों की बिक्री 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही। यात्री वाहनों की बिक्री 32.10 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई पहुंच गई।

विनिर्माण क्षेत्र में दूसरी तिमाही में सुधार- फिक्की सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है, जिसमें कंपनियों के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बढ़ोतरी देखी गई है।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में लगभग 225 कंपनियों को शामिल किया गया, जिसमें वाहन, पूंजीगत उत्पाद, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु और वस्त्र जैसे नौ प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 प्रतिशत विनिर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उत्पादन का स्तर पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) के मुकाबले अधिक या समान रहने की जानकारी दी है, जो पहली तिमाही के 77 प्रतिशत से काफी बेहतर है। फिक्की ने कहा कि यह सुधार पश्चिम एशिया संकट से उबरने के संकेतों के बीच आया है। मांग के मोर्चे पर भी सकारात्मक रुख दिखा, जहां 90 प्रतिशत कंपनियों ने ऑर्डर का स्तर अधिक या समान बताया, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत था। विनिर्माण क्षेत्र में औसत क्षमता उपयोग भी पहली तिमाही के 72 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो गया है। निर्यात के मोर्चे पर भी सुधार देखने को मिला, जहां लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों ने पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले निर्यात का स्तर अधिक या समान रहने की जानकारी दी, जो पहली तिमाही के 74 प्रतिशत से अधिक है।

फिक्की ने इसे सरकार और उद्योग के निर्यात विविधीकरण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम बताया। रोजगार के मोर्चे पर भी आशाजनक संकेत मिले हैं, जिसमें करीब 43 प्रतिशत कंपनियों ने अगले तीन महीनों में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की योजना बनाई है, जो पिछली तिमाही के 35 प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि, विनिर्माताओं पर उत्पादन लागत का दबाव बढ़ा है, जिसमें लगभग 83 प्रतिशत कंपनियों ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत बढ़ने की जानकारी दी, जबकि जून तिमाही में यह अनुपात 79 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में विनिर्माताओं द्वारा चुकाई गई औसत ब्याज दर 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गई।

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एयूएम 31 अगस्त तक 14,000 करोड़ के पार

पछले 15 साल में बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया

निई दिल्ली।

फ्रैंकलिन टेंपलटन के फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 31 अगस्त 2026 तक 14,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। करीब 20 साल पुराने इस फंड ने मजबूत कारोबारी मॉडल और आगे बढ़ने की क्षमता वाली स्मॉल कैप कंपनियों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया है। फंड ने पिछले 15 साल और अपनी शुरुआत से अब तक बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है।

31 अगस्त 2026 तक फंड का 15 साल का सालाना रिटर्न 19.03 फीसदी रहा, जबकि इसी अवधि में निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स का रिटर्न 15.75 फीसदी था। अल्पावधि में फंड का प्रदर्शन बेंचमार्क से थोड़ा पीछे रहा है। पिछले तीन साल में फंड ने 12.82 फीसदी, पांच साल में 16.49 फीसदी और 10 साल में 14.25 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क ने इन्हीं अवधियों में क्रमशः 16.15 फीसदी, 16.55 फीसदी और 14.84 फीसदी रिटर्न दिया। आंकड़ों के मुताबिक योजना की शुरुआत के समय किया गया 10,000 रुपए का एकमुश्त निवेश अगस्त 2026 के अंत तक बढ़कर करीब 1.79 लाख रुपए हो गया। वहीं, पिछले 15 साल तक हर महीने 10,000 रुपए का एसआईपी करने पर निवेश की रकम करीब 81.32 लाख रुपए हो गई। फंड के पोर्टफोलियो मैनेजर अखिल कल्लूरी हैं।

बता दें फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड मुख्य रूप से छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करती है, जिसमें 65 से 100 फीसदी तक का आवंटन किया जा सकता है। फंड अपनी निवेश रणनीति को लागू करने या पोर्टफोलियो के जोखिम को संभालने के लिए इंडेक्स फ्यूचर्स, स्टॉक फ्यूचर्स और ऑप्शंस जैसे डेरिवेटिव का भी इस्तेमाल कर सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार

खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

***नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।*

उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं। '

एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

- हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूं। ' गावस्कर ने कहा, 'आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में क्या कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं। वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आएगा, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशस्वी जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।

गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर खिसके

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।

मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी: पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालांकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूपीएल में दो बार जीत चुकी हैं खिताब

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बना चुकी हैं। उन्होंने 35 मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को 18 में जीत नसीब हुई है, तो 17 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

जिम्बाब्वे सीरीज से शुरू होगा कार्यकाल

स्मृति मंधाना बतौर कप्तान अपने कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगी। इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में हरमनप्रीत कौर को भी जगह दी गई है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत का अनुभव भी मंधाना के काम आएगा। हरमनप्रीत की उम्र 37 साल हो चुकी है और यही वजह है कि चयनकर्ता उनके रिटायरमेंट लेने से पहले मंधाना को कप्तान के तौर पर पूरी तरह से तैयार करना चाहते हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।

अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी बार मैदान पर उतरे मेसी, फैंस को दिया धन्यवाद, बोले-

काश... मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी आखिरी बार राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर खेलने उतरे। मेसी के विदाई मैच में अर्जेंटीना का सामना बेनिन से हुआ जिसमें अर्जेंटीना ने 3-0 की जीत दर्ज की। मैच के बाद मेसी ने फैंस को संबोधित किया और विदाई भाषण दिया। मेसी ने इस दौरान अपने सफर को लेकर बात की और फैंस को लगातार उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

मेसी के लिए यादगार रहा मुकाबला

लियोनल मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला यादगार अंदाज में खत्म किया। ब्यूनस आयर्स के मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया। मेसी ने टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया, जबकि एक गोल पेनल्टी पर खुद दागा। विदाई समारोह में लियोनल मेसी ने हाथ में माइक थामा तो पूरा स्टेडियम उनकी बात सुनने के लिए शांत हो गया। मेसी ने अर्जेंटीना की जर्सी में बिताए अपने सफर के मुश्किल दौर से लेकर जीती गई ट्रॉफियों तक को याद किया। मेसी ने कहा, 'काश, मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता।' यह सुनते ही पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। इसके बाद मेसी ने अपने साथियों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सब कुछ दिया। मेसी ने कहा कि उनके साथियों ने उनका सपना पूरा करने में मदद की और विश्व कप, कोपा अमेरिका समेत कई बड़ी ट्रॉफियां जिताने में उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, 'हमने गर्व के साथ खेला और हर टीम के खिलाफ मुकाबला किया। मुझे पता था कि मैं दिग्गजों से घिरा हुआ हूं।'

मेसी ने प्रशंसकों को कहा शुक्रिया

मेसी ने इसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में जहां भी कदम रखा, स्टेडियम हमेशा खचाखच भरे मिले। उन्होंने कहा, 'मैं इन सभी पलों के लिए आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं जहां भी गया, स्टेडियम भरा हुआ था। विश्व कप हो या कोपा अमेरिका, आप हर जगह मौजूद थे। हम जहां भी गए, ऐसा लगा जैसे अपने घर में खेल रहे हों।' मेसी ने कहा कि यहां खेलना उनके जीवन के सबसे खुशहाल पलों में से एक रहा और विश्व कप जीतने के बाद पहली बार खेलने की रात को वह कभी नहीं भूलेंगे।

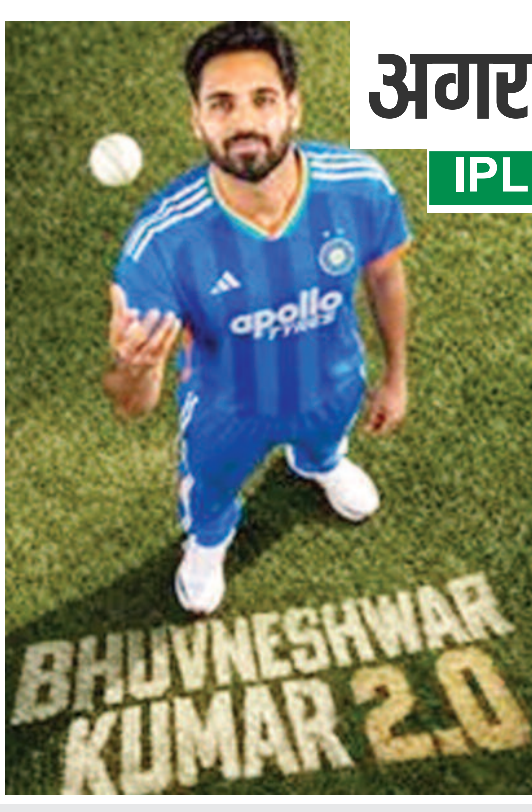

अगरकर की विदाई बनी भुवी की वापसी का कारण

IPL में प्रदर्शन और चयन समीकरण की कहानी, शमी के लिए भी खुले दरवाजे!

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है, जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था।

भुवनेश्वर ने 2025 और 2026 के आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट लिए और टीम की लगातार दो आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। 2025 में उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि 2026 के सत्र में उनके खाते में 28 विकेट रहे। नई गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को 2022 में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी20 क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था। लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है।

इतिहास आपको याद रखेगा

अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादों में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अक्तूबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 4032

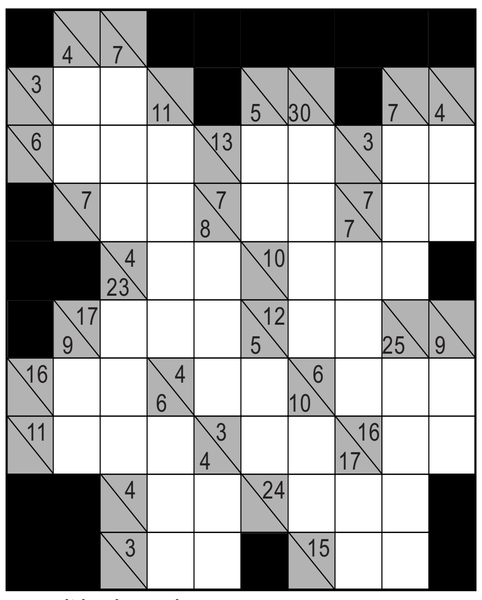

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

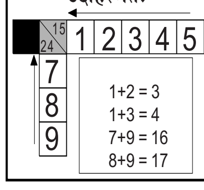

काकुरो - 4031 का हल

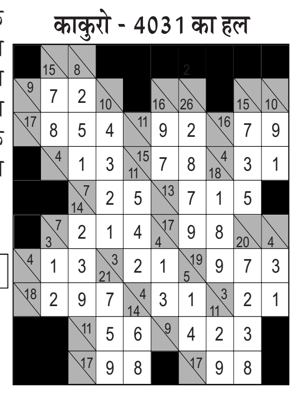

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4032

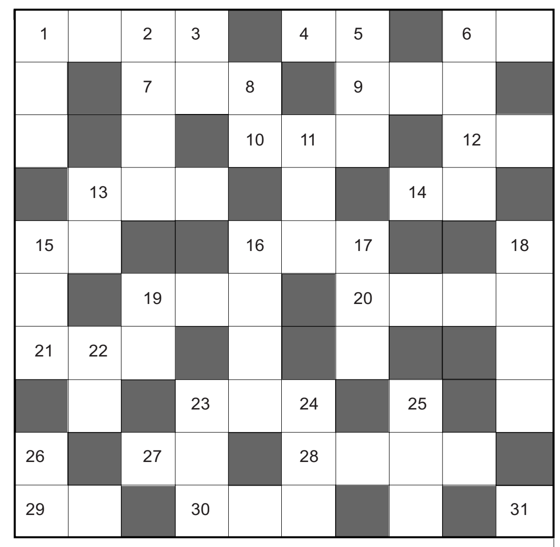

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4031

घ	रैं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
शा	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			श	खी		
र्द		ह्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श

सूडोकु -4032

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4031 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 4032

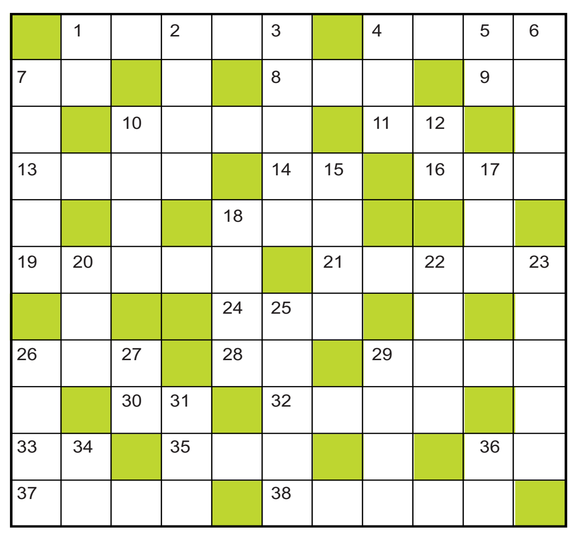

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली -4031 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	रा		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		रा	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ता	र	ता	र
य			तै		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

खांसी-जुकाम पर वार करेंगे ये 6 घरेलू उपाय

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी हैं कारगर

हम में से ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जिनपर बदलते मौसम का असर जल्दी पड़ता है। जैसे, सर्दियों के शुरू होते ही कई लोगों को खांसी-जुकाम की परेशानी होने लगती है। अक्सर यह परेशानियां घरेलू उपायों से ठीक हो जाती है लेकिन कभी-कभी गले में खराश की वजह से खांसी आपका पीछा ही नहीं छोड़ती। आपको बोलते या फिर खाना खाने के दौरान लगातार खांसी आती रहती है। अगर आपको कभी ऐसी समस्या का सामना करना पड़ा है, तो आपको इसका ईलाज करने के लिए नीचे बताए गए, फलों के जूस का सेवन करना चाहिए, जिससे आपको खांसी से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही यह जूस आपके शरीर पर कैसे काम करते हैं, यह भी हम आपको बता रहे हैं।

अनानास (पाइनएप्पल) का जूस

2010 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक अनानास का जूस टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए भी रामबाण हैं, वहीं इसके जूस के गुण बढ़ाने के लिए इसमें शहद, नमक और काली मिर्च डालकर पीने से बलगम भी खत्म होता है। किसी कफ सीरप के मुकाबले अनानास का जूस खांसी पर पांच गुणा लाभदायक है। अनानास में भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो फ्री रेडीकल्स की वजह से शरीर को पहुंचने वाले नुकसान से बचाव करते हैं।

मसालेदार खाने का सेवन

जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि खांसी में मसालेदार और मिर्ची वाला खाना फायदेमंद हो सकता है। लाल मिर्च में कैप्साइसीन नाम का एक केमिकल पाया जाता है, जिसकी वजह से बलगम का असर कम होता है। लालमिर्च खाने के बाद आपके गले की खराश दूर हो जाती है। साथ ही मसालेदार खाना जुकाम में भी लाभदायक है।

भाप लेना (स्टीम)

गले और नाक को साफ करने के लिए आप घर में ही भाप ले सकते हैं। पानी को उबालकर उसमें एक चुटकी नमक डाल दें, अब अपने चेहरे को पतीले से एक निश्चित दूरी पर रखते हुए कोई तौलिया या चादर ओढ़कर अंदर की ओर सांस लें। खांसी और जुकाम को सही करने के लिए यह सबसे अच्छा घरेलू उपचार है। इससे आपकी नाक की नली और गला खुल जाएगा। दिन में 2-3 बार इस उपाय को करें।

विटामिन सी का सेवन

विटामिन सी का नियमित रूप से सेवन करने पर आपकी रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। खांसी के दौरान आपको किवी, ब्रोकली, संतरा, नीबू, फूलगोभी और विटामिन सी के भरपूर फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन

खांसी से जल्द छुटाकारा पाने के लिए आपको गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना चाहिए। आप अदरक, शहद, लेमन टी का इस्तेमाल कर सकते हैं, इससे आपको खांसी-जुकाम के दौरान राहत मिलेगी।

शरीर हाइड्रेट रखें

कई लोगों को सर्दी-जुकाम के दौरान प्यास नहीं लगती। ऐसे में वो पानी नहीं पीते, जिससे उनके शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप बीच-बीच में पानी पीते रहें। पानी के अलावा आप नारियल पानी, नीबू पानी के इस्तेमाल से भी शरीर को हाइड्रेट रख सकते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

अजय देवगन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड्डियां अब दर्द होती हैं।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनैशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ज पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्ब्स के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुएअजय देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।'

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे

क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अजय उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूं। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर ऐक्टर्स अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटैच होना जरूरी है।'

उम्र का असर है, हड्डियां अब दर्द होती हैं

मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड्डियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है। पहले जो मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है।

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनैशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'

भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव पर बात की

कंटेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, ''सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।'' भुवन के कहा, '''ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।''

उन्होंने कहा, ''सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।''

उन्होंने कहा, ''अब 'ढिंढोरा 2' जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। मुझे उम्मीद हैं कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वह इस सीरीज को पसंद करते आए हैं। साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी।''

काजी तौकीर के साथ लड़ाई पर ईशा रिखी ने दी सफाई

अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस-20' से बाहर आ चुकी है। बाहर आने के बाद उन्होंने बातचीत में कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ अपनी दोस्ती पर भी अपनी बात रखी। ईशा ने कहा कि शुरुआत में काजी के साथ उनकी दोस्ती अच्छी थी लेकिन धीरे-धीरे वह दोस्ती एक अलग ही दिशा में चली गई। ईशा रिखी ने कहा, 'घर में हम कभी भी एक-दूसरे से नफरत नहीं करते थे। बस बात ये थी कि वो दो तरह की पर्सनैलिटी के साथ गेम खेल रहे थे और मैं उसे समझ नहीं पा रही थी। इसलिए मुझे उन्हें समझने में काफी समय लग गया। लोग एक घंटे का एपिसोड देख रहे थे लेकिन हम तो चौबीस घंटे साथ में रह रहे थे, सब कुछ देख रहे थे। यही कारण था कि मैं उन्हे न ही समझ पा रही थी और न ही उनसे कनेक्ट हो पा रही थी। इसी वजह से मैं उन्हें गलत जज कर रही थी या यूं कहूं कि मैं उन्हें समझ ही नहीं पा रही थी।' अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर आने के बाद काजी को उन्होंने एक अलग तरह से देखा। उन्होंने कहा, 'जब मैं शो से बाहर आई और उनके एपिसोड देखे, तो मैंने उन्हें अलग नजरिए से देखा। मुझे उनकी पर्सनैलिटी बहुत पसंद आई और मुझे ये बात अच्छी लगी कि वह लॉजिकल फाइट्स पर डटे रहे। उनके रिएक्शन लाउड थे, मुझे लगता है कि यह उनके लिए काम कर गया। तो शो में मुझे काजी बहुत पसंद आए। अभिनेत्री से पूछा, 'काजी के साथ आपकी लड़ाई आपकी जर्नी का एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट बन गया। क्या आपको लगता है कि सिचुएशन को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया या आपको लगता है कि आप अलग तरह से रिएक्ट कर सकती थीं?' ईशा रिखी ने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगता है कि असल में जो कुछ हुआ वह ठीस से सामने नहीं आया। जाहिर है, हमारे पास एक एपिसोड में लिमिटेड टाइम होता है। मैं कई बार अपनी तरफ की बात बता चुकी थी। मैंने साफ कर दिया है कि क्या हुआ था। दरअसल, कुछ समय बाद मेरी और काजी की अकेले में बात भी हुई थी और हमारे बीच जो भी गलतफहमियां थीं, वो दूर हो गईं।' उन्होंने कहा, 'शो में जाने के बाद कुछ लोग मुझे जानते थे, तो कुछ ने ऐसे दिखाया कि वे जानते ही नहीं है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मैं इस बात को ज्यादा तवज्जों दूंगी। हां, अगर लोग मुझे उस नजर से जानते हैं, तो जाहिर है उन्हें मेरे साथ रहना था और मेरी पर्सनैलिटी को जानना था।

'हुंकार : द रोअर' की सफलता पर फातिमा सना शेख ने जताया आभार

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार : द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में फातिमा ने सोशल मीडिया पर शो के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। उन्होंने एक दिल से लिखा हुआ नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने किरदार जसलीन सिंह सोइन के बारे में बात की। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया। और जिन्होंने अभी तक इसे नहीं देखा है, उनके लिए... यह जियोहॉस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

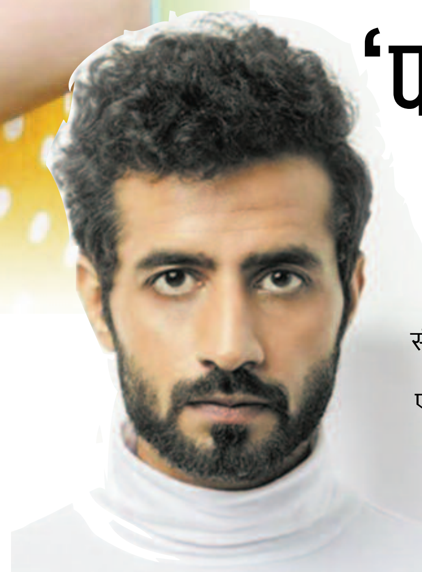

'फर्जी 2' को लेकर काफी उत्साहित हूं

शाहिद कपूर स्टारर 'फर्जी 2' सीरीज को लेकर फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब एक्टर भुवन अरोड़ा ने सीरीज को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर के इस अपडेट के बाद सीरीज के नए सीजन को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। हाल ही में इंटरव्यू में भुवन अरोड़ा ने 'फर्जी 2' को लेकर कहा कि वह इस सीरीज में वापस लौटने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने बताया, 'मैं 'फर्जी 2' को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे हिस्से की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह पहले से बड़ा, बेहतर और शानदार है और इस बार पागलपन भी निश्चित तौर पर ज्यादा होगा। मैं खुद को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर काफी लकी महसूस करता हूं।' हालांकि, भुवन अरोड़ा ने सीरीज से जुड़ी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'फर्जी' के बारे में विस्तार से बात करने का अभी एक और मौका आएगा।

फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान

पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो 'लॉक अप : सच या सजा' नेटफ्लिक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो 'लॉक अप : सच या सजा' में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कंटेस्टेंट्स जेल के अंदर एंट्री लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी।

नेटफ्लिक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे। 'लॉक अप : सच या सजा' के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।

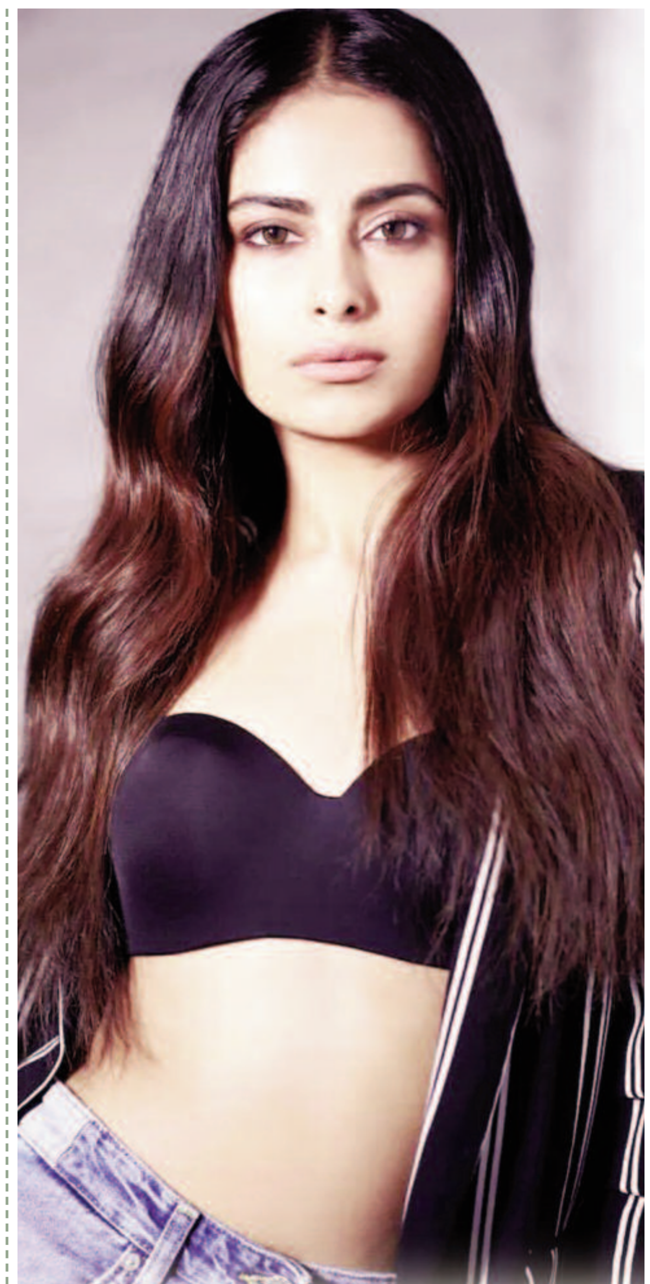

शादी के बाद प्यार को लेकर मेरी सोच बदल गई है

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम मे हैं।'

अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, 'जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है।'

अविका गौर ने यह भी बताया कि शादी के बाद प्यार को लेकर उनकी सोच कैसे बदल गई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्रोसरी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में क्या खाना है, जिम्मेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।'

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में क्यों सड़क पर उतरे हजारों लोग, आशियाने के बढ़ते संकट के पीछे क्या है वजह?

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में बढ़ते आवासीय संकट के खिलाफ लोगों का गुस्सा अब सड़क पर दिखाई दे रहा है। किराए के बढ़ते बोझ और घरों की कमी से परेशान हजारों लोग देश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर स्पेन में आवास का संकट इतना गहरा क्यों हो गया? लोगों की नाराजगी की वजह क्या है? सरकार का इस पर क्या रुख है स्पेन में आवास का संकट कई वर्षों से बढ़ रहा है। देश में किराए पर रहने वाले लोगों के लिए घर का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रियल एस्टेट वेबसाइट आइडियलिस्टा के मुताबिक, 2016 में स्पेन में औसत किराया 8.20 यूरो प्रति वर्ग मीटर था, जो इस साल बढ़कर 15.10 यूरो प्रति वर्ग मीटर हो गया। यानी करीब 10 साल में औसत किराया लगभग दोगुना हो गया है।

सऊदी अरब में पाकिस्तान-तुर्किये की सेना होगी तैनात: हूती विद्रोहियों से तनाव के बीच बड़ा फैसला; क्या है योजना?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने सऊदी अरब में सैन्य बलों की तेजी से तैनाती के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति जताई है। यह फैसला सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि तीन देशों के मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। बैठक में सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा से जुड़े हालात और खतरों पर चर्चा की गई। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में तीन देशों के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से डॉन ने बताया कि समिति ने सामूहिक रक्षा से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को तुरंत लागू करने का फैसला किया। समिति ने जरूरी सैन्य बल और क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इन सैन्य बलों की सऊदी अरब में तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई।

ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी: अमेरिका में महिला गिरफ्तार; चीन के लिए कैसे करती थी काम?

बैंकॉक, एजेंसी। एफबीआई ने कैलिफोर्निया की एक रियल एस्टेट एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसे लॉस एंजिलिस हवाई अड्डे पर उस समय पकड़ा गया, जब वह देश छोड़ने जा रही थी। उस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग हीदर नाम से भी जानी जाती है। उसने पिछले साल चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी थी। 34 वर्षीय झांग इरविन में रहती है। उसे रविवार को लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। उस पर चीन के लिए बिना पंजीकरण एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है। यह जानकारी अमेरिका के सहायक संघीय अभियोजक बिल एस्सायली ने दी। शिकायत के अनुसार, झांग ने जिन लोगों पर नजर रखी, उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए। उसने उनकी गाड़ियों के नंबर की जानकारी भी चीनी अधिकारियों को भेजी। एस्सायली ने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'द बिग वीकेंड शो' में बताया कि झांग अमेरिका की नागरिक है। उसने अमेरिकी नागरिकता हासिल की है। उसे चीन जाने वाली उड़ान पर रवाना होते समय गिरफ्तार किया गया। यह तुरंत साफ नहीं हो सका कि उसकी ओर से बोलने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं। उसे सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश किया जाना है। यह मामला न्याय विभाग की ओर से की जा रही ऐसी कार्रवाइयों की नई कड़ी है। इन मामलों का मकसद अमेरिका की जमीन पर चीन के हितों को आगे बढ़ाने वाले कथित गुप्त एजेंटों का पता लगाना है। न्याय विभाग के अनुसार, इनमें से कई मामले उन लोगों से जुड़े हैं, जो अमेरिका में रह रहे लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। विभाग का कहना है कि चीन उन्हें तलाशने और परेशान करने के लिए आक्रामक तरीके अपना रहा है। उनकी आवाज को दबाने की भी कोशिश की जा रही है।

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में 'दुश्मन देश', यह कितना घातक; भारत किस तरफ, तैयारी क्या?

वाशिंगटन, एजेंसी। 'परमाणु शक्ति'। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टर्स को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ हैं उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? इस रेस में दोनों धड़ों की तैयारी कैसी है और कितनी प्रगति हो चुकी है? चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचने का खतरा कितना ज्यादा है? और भारत इस रेस में किस तरफ है? आइये जानते हैं...

पहले जानें- चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने का मतलब क्या है?

चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब

यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन्स में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं।

मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की रोसातोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौर की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है। - नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्टर्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस 'लूनर रिएक्टर-1' को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।

17 साल बाद होगा फोर्ट हूड कांड का अंत: निडाल हसन की मौत की सजा पर ट्रंप की मुहर, क्या अब भी रुक सकता है फैसला?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हूड सैन्य अड्डे पर गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले सेना के मेजर निडाल मलिक हसन को फायरिंग स्क्वॉड के जरिए मौत की सजा देने को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से अब तक किसी को फांसी या अन्य तरीके से मृत्युदंड नहीं दिया गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अब सेना के सचिव फांसी की तारीख और जगह तय करेंगे।

'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया' : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक्स पर लिखा, 'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया है।' हसन उस समय अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक था। 2009 में वह फोर्ट हूड के एक मेडिकल सेंटर में पहुंचा, जहां सैनिक मेडिकल जांच के लिए मौजूद थे। उसने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हसन ने लेजर से निशाना साधने वाली पिस्तौल से सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गोलीबारी शुरू करने से पहले उसने 'अल्लाहु अकबर' कहा था, जिसका अर्थ है 'ईश्वर महान है।'

'अपने ही लोगों को मारने से रोकना चाहता था' : हसन ने बाद में कहा था कि उसने यह हमला इसलिए किया क्योंकि वह अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने मुस्लिम साथियों को मारने से रोकना चाहता था। मुकदमे के दौरान उसने खुद को बचाने की लगभग कोई कोशिश नहीं की। उसने जूरी के सामने माना था कि गोली चलाने वाला वही था और खुद को ऐसा सैनिक बताया था जिसने 'पाला बदल लिया।'

फांसी अभी तुरंत नहीं होगी, कानूनी रास्ता खुला : ट्रंप की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि हसन को तुरंत मौत की सजा दे दी जाएगी। फैसले के बाद कई कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। हसन इस प्रक्रिया को लंबे समय तक रोकने की कोशिश कर सकता है। इसके लिए वह अमेरिकी संघीय अदालत में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर कर सकता है। मई में प्रकाशित आर्मी लॉयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी कानूनी लड़ाई कई साल तक चल सकती है। अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था में मौत की सजा मिलना ही बेहद दुर्लभ है और उसे अमल में लाना उससे भी ज्यादा असामान्य रहा है। फिलहाल सेना की डेथ रो में चार लोग हैं, जिनमें हसन भी शामिल है। इन सभी को कंसास के फोर्ट लीवेनवर्थ में रखा गया है। इससे पहले राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2008 में सेना के जवान रोनाल्ड ग्रे की फांसी को मंजूरी दी थी। हालांकि, एक जज के आदेश के बाद उस सजा पर रोक लग गई।

बाब अल-मंदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटका: सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके; क्या अमेरिका भी साथ आया?

रियाद, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चश्मदीदों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथ?: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या कहा?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाईदुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाईदुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बता दें कि जिसमें भारतीय पायलट स्मित मच्छार को ओमान के को-पायलट हमम अल-हम्ममी ने चाकू मार दिया था।

यूएई के अधिकारी कर रहे जांच : ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आईं जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पूछताछ के बाद

अल-हम्ममी को यूएई को सौंप दिया गया है।

ट्रंप ने क्या कहा : सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।'

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या टिप्पणी की हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से इस बारे में पूछा, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रैटक्लिफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अभी तक कोई ठोस सबूत देखा है।' इस्राइल, यूएई और सऊदी अरब के अधिकारियों ने फ्लाईदुबई की घटना को आतंकी हमला बताया है। लेकिन अभी भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या हमला करने वाले को-पायलट ने अकेले यह कदम उठाया या वह किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था। एबीसी न्यूज ने जांच की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि जांचकर्ताओं का मानना है कि ओमान के को-पायलट ने किसी बड़े संगठन का हिस्सा होने के बजाय अकेले ही यह काम किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। वहीं, यूएई के अटॉर्नी जनरल और प्रॉसिक्यूटर जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने 3 अक्तूबर को कहा था कि शुरुआती जांत से पता चला है कि हमम अल-हम्ममी ने आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, 'फ्लाईदुबई की फ्लाइट स्ट्रं1073 से जुड़ी घटना की जांच में पता चला है कि को-पायलट ने आतंकवादी हमला करने की कोशिश की थी।' उन्होंने यह भी कहा कि वे घटना के पूरे हालात, मकसद और किसी भी तरह के कनेक्शन का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने फिर किसे दी धमकी?: ब्रिटेन से अमेरिकी बमवर्षक हटाने पर बोले- हम जानते हैं कौन जिम्मेदार, और क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अज्ञात धमकियों के बाद यूके स्थित अपने सैन्य बेस से बॉम्बर विमानों को हटा लिया है। इस घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि इन धमकियों के पीछे कौन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोग बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अमेरिका की वायुसेना ने इंग्लैंड में स्थित अपने एक सैन्य एयरबेस से सभी बमवर्षक विमान वापस बुला लिए हैं। यह एयरबेस अमेरिकी नियंत्रण में है। यहां से ईरान पर हमले किए गए थे। यह कदम आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर कथित आतंकी हमले की साजिश की जांच के बाद उठाया

गया है। आरएएफ फेयरफोर्ड लंदन से करीब 100 मील यानी 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे संघर्षों के दौरान अमेरिका इस एयरबेस का इस्तेमाल अपने बमवर्षक विमानों के लिए करता रहा है। पेंटागन ने की वापसी की पुष्टि पेंटागन ने पुष्टि की है कि आरएएफ फेयरफोर्ड पर तैनात सभी अमेरिकी बॉम्बर्स मूल ठिकानों पर लौट रहे हैं, हालांकि उन्होंने नई चेतावनियों पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह नई जानकारी उसी खतरे का हिस्सा थी जो तीन हफ्ते पहले सामने आई थी, लेकिन पिछले 24 घंटों में कुछ विशिष्ट विवरण मिले और तत्परता की स्थिति अचानक बढ़ गई, जिसके बाद सैन्य कमांडरों ने तत्काल निकासी का फैसला लिया।

मिलिट्री एयर ट्रैकिंग अलायंस जैसे विमानन गतिविधियों पर नजर रखने वाले समूहों ने ईरान युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से आरएएफ फेयरफोर्ड से दर्जनों बी-52 और बी-1 बमवर्षकों को उड़ान भरते देखा है। निगरानी करने वालों ने रविवार को कई बी-1 बमवर्षकों को इस एयरबेस से उड़ान भरते देखा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें नए हमले भी शामिल हैं। ट्रंप ने शुरुआत में अमेरिकी लोगों से कहा था कि यह अभियान कुछ हफ्तों तक चलेगा। व्हाइट हाउस से ओहायो में एक रैली के लिए रवाना होते समय ट्रंप ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ईरान को लेकर मेरे पास फैसले हैं, जो मैं करूंगा। ईरान तबाह हो चुका है। इसलिए एकमात्र सवाल यह है कि यह आसान तरीका होगा या मुश्किल तरीका।

ब्रिटिश उपन्यासकार जेफ्री आर्चर का निधन: कलम से पाई शोहरत, सियासत से विवाद और जेल तक; ऐसा रहा जीवन का सफर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मशहूर लेखक और पूर्व राजनेता जेफ्री आर्चर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अपनी किताबों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले आर्चर का राजनीतिक जीवन झूठी गवाही के मामले में जेल जाने के बाद विवादों में घिर गया था। प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स ने बताया कि आर्चर का सोमवार को उनके घर पर निधन हुआ। खास बात यह है कि उनकी आखिरी किताब 'एडम और ईव' के वैश्विक रिलीज से ठीक एक दिन पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

पांच दशक तक किताबों की दुनिया में छाए रहे : जेफ्री आर्चर का लेखकीय सफर करीब पांच दशक लंबा रहा। उनकी पहली किताब 'नॉट ए पेनी मोर, नॉट ए पेनी लेस' 1976 में प्रकाशित हुई थी। यह उपन्यास उनके उस दौर से प्रेरित बताया जाता है, जब खराब निवेश के चलते वह लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसके बाद 'केन एंड एबेल' समेत उनकी कई किताबें बेहद लोकप्रिय हुईं। हार्पर कॉलिन्स के अनुसार, आर्चर की किताबों की दुनिया भर में करीब 30 करोड़ प्रतियां बिकीं। वह ब्रिटेन की 'संडे टाइम्स' बेस्टसेलर सूची में 14 साल पांच महीने और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की सूची में पांच साल से ज्यादा समय तक बने रहे। आर्चर ने लेखन के साथ ब्रिटेन की राजनीति में भी मजबूत जगह बनाई। वह प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के दौर में कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से आगे बढ़े। 1992 में थैचर के उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने

उन्हें हाउस ऑफ लॉर्ड्स का सदस्य बनाया। लेकिन बाद में एक कानूनी विवाद ने उनके राजनीतिक करियर को गहरा झटका दिया। 1999 में लंदन के मेयर पद के लिए चुनाव लड़ते समय आर्चर पर पुराने मानहानि मामले में अदालत को गुमराह करने का आरोप सामने आया। उन्होंने एक अखबार पर मुकदमा किया था, जिसने उन पर एक यौनकर्मी को पैसे देने का आरोप लगाया था।

वह मुकदमा जीत गए थे और उन्हें 5 लाख पाउंड का हर्जाना मिला था। बाद में जूरी ने पाया कि उन्होंने 1987 के मामले में अपने पक्ष में झूठी कहानी और फर्जी अलिबी तैयार किया था। 2001 में उन्हें झूठी गवाही के लिए चार साल की सजा हुई। वह दो साल से कुछ अधिक समय जेल में रहे और 2003 में रिहा हुए। जेल से लौटने के बाद भी आर्चर ने लेखन जारी रखा। उन्होंने जेल के अनुभवों पर तीन हिस्सों वाली 'अ प्रिजन डायरी' लिखी, जिसमें 'हेल', 'परगेटरी' और 'हेवन' शामिल थे। इन किताबों में ब्रिटेन की जेलों और कैदियों की जिंदगी की झलक देखने को मिली। आर्चर ने राजघराने में बेटियों को बेटों के बराबर उत्तराधिकार का अधिकार देने की मांग भी उठाई थी।

सऊदी अरब पर हूतियों ने दागी मिसाइलें, रियाद एयरपोर्ट और अरामको रिफाइनरी को बनाया निशाना

यमन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई अहम ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। निशाने पर राजधानी रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिघ में अरामको की रिफाइनरी भी रही। हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की है। हूतियों का कहना है कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किए गए।

हूतियों का दावा- तीन बड़े सैन्य ऑपरेशन किए : हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने सोमवार को टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन 'गुणात्मक सैन्य अभियान' चलाए। सरी के मुताबिक, पहला अभियान रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमला 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ।

अरामको रिफाइनरी में आग लगने का दावा : सरी ने बताया कि दूसरे अभियान में राबिघ स्थित अरामको रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला भी 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया और इसके बाद निशाना बनाए गए परिसर

में आग लग गई। हूती प्रवक्ता के अनुसार, तीसरे अभियान में पश्चिम एशिया के सऊदी क्षेत्र असिर में अबहा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और अकीफा कैंप को निशाना बनाया गया। इसके अलावा नाजरान और जिजान में 'अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों' पर भी हमले किए गए। सरी ने कहा कि इन हमलों को यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में अंजाम दिया गया।

सऊदी हमलों के जवाब में कार्रवाई का दावा : सरी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए। उनके मुताबिक, इन हमलों में राजधानी सना के साथ-साथ अल-जौफ, ताइज, हज्जा, सादा और मारिब प्रांतों को निशाना बनाया गया और महिलाओं तथा बच्चों समेत आम नागरिक भी हताहत हुए।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को भी हूतियों की चेतावनी : हूती प्रवक्ता ने सऊदी हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरने वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को छोड़कर सऊदी हवाई क्षेत्र में उड़ान संचालन को लेकर एयरलाइनों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सऊदी अरब ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की : हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूतियों की लगातार जारी कार्रवाई की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने नागरिकों, नागरिक प्रतिष्ठानों और आर्थिक ठिकानों को निशाना बनाने को गंभीर बताया। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हूती मिलिशिया ने मक्का और मदीना जैसे पवित्र स्थलों के साथ-साथ राजधानी रियाद और अबहा, खमिस मुशैत, जिजान, नाजरान, ताइफ और यनबू जैसे शहरों को भी बार-बार निशाना बनाया है। मंत्रालय के मुताबिक, हूतियों ने दक्षिणी लाल सागर और बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों को भी निशाना बनाया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)